PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 174 ● भिलाई, गुरुवार 15 जनवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

जर्मनी से होकर यात्रा अब आसान : भारतीय नागरिकों को नहीं लेना होगा ट्रांजिट वीजा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच हुई बैठक में रक्षा, व्यापार और तकनीकी सहयोग से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने भारत-जर्मनी संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जताई। इस दौरान महत्वपूर्ण खनिजों और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने को लेकर भी कई घोषणाएं की गईं। बैठक के बाद भारत और जर्मनी के बीच कुल 19 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने वैश्विक राजनीतिक उथल-पुथल से उत्पन्न चुनौतियों का मिलकर सामना करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इसी क्रम में जर्मनी की ओर से भारतीय यात्रियों को बड़ी राहत दी गई है। अब भारतीय नागरिकों को जर्मनी से होकर यात्रा करने के लिए ट्रांजिट वीजा लेने की आवश्यकता नहीं होगी। जब किसी भारतीय नागरिक को किसी तीसरे देश की यात्रा करनी होती थी और उसकी फ्लाइट जर्मनी के किसी एयरपोर्ट पर रुकती या वहां फ्लाइट बदलनी होती थी।

अब कॉल नहीं उठाई तो धरती से उठवा दूंगा', लॉरेंस ग्रुप ने जिम पर करवाई फायरिंग

नई दिल्ली। दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक जिम के बाहर अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। फायरिंग की यह घटना आरके फिटनेस बाय रोहित खत्री जिम के बाहर हुई, जहां हमलावर वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस गोलीबारी में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना के कुछ समय बाद ही सोशल मीडिया पर खुद को गैंगस्टर बताने वाले रणदीप मलिक के नाम से एक पोस्ट वायरल हो गई, जिसमें इस फायरिंग की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया है। वायरल पोस्ट में जिम संचालक को सीधे तौर पर धमकाते हुए लिखा गया है कि यह फायरिंग रणदीप मलिक और अनिल पंडित (यूएसए) के इशारे पर करवाई गई है। पोस्ट में यह भी आरोप लगाया गया है कि फोन कॉल का जवाब न देने के चलते यह हमला किया गया और आगे भी गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई है।

इलेक्ट्रिक स्कूटी में ब्लास्ट होने से घर में लगी आग

अंबाला। हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्जिंग के दौरान अचानक हुए जोरदार विस्फोट में 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि धमाके के बाद घर में भीषण आग लग गई। हादसे के वक्त घर में मौजूद परिवार के अन्य सदस्य बाल-बाल बच गए, हालांकि आग की चपेट में आने से घर का काफी सामान जलकर खाक हो गया। घटना नारनौल के गांव बड़कोदा स्थित रामनगर कॉलोनी की है। मृतक की पहचान शिवकुमार (55) के रूप में हुई है।

मुरुगन के घर गौ सेवा के बाद बोले पीएम मोदी

पोंगल अब वैश्विक-प्रकृति के संरक्षण पर भी जोर दिया

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बुधवार को केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन के सरकारी आवास पर आयोजित हुए पोंगल समारोह में शामिल हुए. उन्होंने वहां मौजूद सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उसके बाद गौसेवा भी की. उन्होंने तमिल संस्कृति की समृद्ध विरासत पर जोर देते हुए कहा कि यह सिर्फ तमिलनाडु तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश की साझा विरासत है.राष्ट्रीय राजधानी में एल मुरुगन के आवास पर पोंगल उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पोंगल जैसे त्योहार 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करते हैं. वहीं, इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके सभी देशवासियों को मकर संक्रांति, भोगली बिहू और पोंगल की शुभकामनाएं भी दीं. उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ये पर्व आप सबके साथ मनाना मेरे लिए काफी सौभाग्य की बात है. प्रधानमंत्री ने कहा कि पोंगल अब एक वैश्विक त्योहार बन गया है और कहा कि उन्हें इसके जश्न का हिस्सा बनकर खुशी हुई. उन्होंने कहा कि यह त्योहार किसानों की कड़ी मेहनत को दिखाता है और प्रकृति, पृथ्वी और सूरज के प्रति आभार जताता है. पूरी दुनिया में तमिल समुदाय और तमिल संस्कृति को पसंद करने वाले लोग इसे बहुत उत्साह से मनाते हैं, और मैं भी उनमें से एक हूं. आप सभी के साथ यह खास त्योहार मनाना मेरे लिए

सौभाग्य की बात है. हमारी जिंदगी में पोंगल एक सुखद अनुभव की तरह है. इसके साथ ही, यह त्योहार हमें प्रकृति, परिवार और समाज के बीच संतुलन बनाए रखने का रास्ता दिखाता है.प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान लोहड़ी, मकर संक्रांति और माघ बिहू जैसे त्योहारों के लिए देश भर में बड़े उत्साह का भी जिक्र किया. पीएम मोदी ने कहा कि इस समय देश के अलग-अलग हिस्सों में लोहड़ी, मकर संक्रांति, माघ बिहू और कई दूसरे त्योहारों को लेकर भी बहुत उत्साह है. मैं भारत और दुनिया भर में रहने वाले तमिल भाइयों और बहनों को पोंगल और इन सभी त्योहारों की दिल से बधाई देता हूं. बता दें, पोंगल, दुनिया भर में तमिल लोगों के लिए सबसे खास त्योहारों में से एक है. यह प्रकृति, सूरज, खेत के जानवरों और किसानों को धन्यवाद देने का त्योहार है. इसे पारंपरिक रूप से परिवार के त्योहार के तौर पर मनाया जाता है, जो खुशहाली, शुक्रिया और साथ रहने का प्रतीक है. इस त्योहार को आसान बनाने के लिए, तमिलनाडु सरकार ने पहले सभी योग्य लाभार्थियों के लिए एक किलो कच्चा चावल, एक किलो चीनी और एक पूरा गन्ना वाला पोंगल गिफ्ट पैकेज देने की घोषणा की थी. पीएम मोदी ने इस संबंध में देशवासियों के नाम एक लेटर भी लिखा. जिसमें उन्होंने लिखा कि फसल से जुड़े यह पर्व आशा, सकारात्मकता और कृतज्ञता के प्रतीक हैं.

तमिल संस्कृति की समृद्ध परंपरा पर भी दिया जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिल संस्कृति की समृद्ध परंपरा पर जोर देते हुए कहा कि यह केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे भारत की साझा धरोहर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पोंगल जैसे त्योहार एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करते हैं। प्रधानमंत्री ने देशभर में लोहड़ी, मकर संक्रांति, माघ बिहू जैसे त्योहारों के प्रति उत्साह की भी सराहना की और तमिल भाइयों-बहनों को शुभकामनाएं दी। पोंगल, तमिल समुदाय के लिए सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह प्रकृति, सूर्य, पशुओं और किसानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है और परिवार के साथ संपन्नता, आभार और एकता का प्रतीक है। तमिलनाडु सरकार ने समारोह को सुगम बनाने के लिए पात्र लाभार्थियों के लिए एक किलो चावल, एक किलो चीनी और एक पूरा गन्ना वितरित करने की योजना भी बनाई थी।

इससे पहले पीएम मोदी ने नागरिकों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी और उनके सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

थाईलैंड में बड़ा रेल हादसा

चलती ट्रेन पर गिरा क्रेन 22 यात्रियों की मौत.....

थाईलैंड। थाईलैंड में बुधवार को एक भीषण रेल हादसा सामने आया है। राजधानी बैंकॉक से उत्तर-पूर्वी प्रांत की ओर जा रही एक यात्री ट्रेन पर अचानक निर्माणाधीन रेलवे प्रोजेक्ट का क्रेन गिर गया। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक यात्री घायल बताए जा रहे हैं। यह दुर्घटना 14 जनवरी की सुबह थाईलैंड के नाखोन राचसिमा प्रांत के सिखियो जिले में हुई। ट्रेन बैंकॉक से उबोन राचथानी प्रांत की ओर जा रही थी। इसी दौरान हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट पर काम कर रहा एक विशाल क्रेन अचानक असंतुलित होकर चलती ट्रेन के एक

कोच पर गिर पड़ा। क्रेन गिरते ही ट्रेन का एक हिस्सा पटरी से उतर गया और कुछ कोचों में आग लग गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय पुलिस के अनुसार, आग पर बाद में काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक बड़ा नुकसान हो चुका था।

ईरान में जारी प्रदर्शन के बीच ट्रंप का बड़ा बयान

ईरान में हिंसक प्रदर्शन का 18वां दिन:26 वर्षीय इरफान सुल्तानी को आज फांसी दिए जाने की आशंका जताई..

ईरान। ईरान में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों को आज 18 दिन पूरे हो चुके हैं। इस बीच हालात और गंभीर हो गए हैं। प्रदर्शनों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार 26 वर्षीय इरफान सुल्तानी को आज फांसी दिए जाने की आशंका जताई जा रही है। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि यह प्रदर्शनकारियों में डर फैलाने की रणनीति का हिस्सा है। ब्रिटिश अखबार द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक, इरफान सुल्तानी को 8 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 11 जनवरी को ईरानी अदालत ने उन्हें हिंसा भड़काने के मामले में दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुना दी। परिवार को सिर्फ 10 मिनट की आखिरी मुलाकात की अनुमति दी गई है और मामले में किसी भी तरह की अपील या दोबारा सुनवाई का मौका नहीं दिया गया। सुल्तानी पर 'मोहरेबेह' यानी भगवान के खिलाफ युद्ध छेड़ने का आरोप लगाया गया है। यह ईरानी कानून में सबसे गंभीर अपराधों में गिना जाता है, जिसकी सजा सीधे मौत होती है। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि सुल्तानी को न तो वकील मिला, न ही निष्पक्ष ट्रायल और न

ही अपील का अधिकार। एक्साइल एक्टिविस्ट्स और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों का दावा है कि यह फास्ट-ट्रैक एक्जीक्यूशन का हिस्सा है। सरकार हजारों प्रदर्शनकारियों (अब तक 10,000 से ज्यादा गिरफ्तार) को डराकर आंदोलन दबाने की कोशिश कर रही है। यह मौजूदा प्रदर्शनों के दौरान पहली फांसी मानी जा रही है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान सरकार विरोध करने वालों को फांसी देना शुरू करती है, तो अमेरिका कड़ा जवाब देगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ईरान के लोग प्रदर्शन जारी रखें और सरकारी संस्थानों पर कब्जा करें। ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख अली लारिजानी ने ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दोनों नेताओं को ईरान में लोगों की हत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया।

निर्विरोध बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय

नितिन नबीन की टक्कर में कोई नहीं खुद पीएम मोदी बनेंगे प्रस्तावक!

नई दिल्ली/ एजेंसी

बीजेपी को 20 जनवरी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। इस दिन बीजेपी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यभार संभालेंगे। वो मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की जगह लेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर चुने जाने के लिए नितिन नबीन 19 जनवरी को नामांकन दाखिल करेंगे। माना जा रहा कि उनके खिलाफऔर कोई नेता नामांकन नहीं भरेगा। इससे उनका निर्विरोध चुनाव जीतना तय है। नितिन नबीन के नामांकन में प्रस्तावकों में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हो सकते हैं। ऐसी संभावना है

कि 19 जनवरी को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन के चुने जाने की औपचारिक घोषणा होगी। इस दौरान पीएम मोदी, केंद्रीय मंत्री, बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, पार्टी के वरिष्ठ राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश इकाइयों के अध्यक्ष, पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य भी चुनाव नतीजे की घोषणा के दौरान पार्टी मुख्यालय में रहेंगे। बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया को लेकर मंगलवार को पार्टी के संयोजक के लक्ष्मण ने दिल्ली में बैठक भी की थी। बैठक में इस चुनाव के सह-संयोजक संबित पात्रा और नरेश बंसल भी थे। इस सप्ताह के अंत तक चुनाव प्रक्रिया का पूरा खाका जारी होना है। 46 साल की उम्र में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने वाले नितिन नबीन बीजेपी के सबसे कम उम्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे। वह सबसे अधिक समय तक इस पद पर रहने वाले केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की जगह लेंगे।

रायपुर के आईएसबीटी में देर रात भीषण आग: पार्किंग में खड़ी 5 से ज्यादा बसें जलकर खाक, शरारत की आशंका

रायपुर। रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में अंतरराज्यीय बस टर्मिनल में देर रात अफरा-तफरी मच गई। बस स्टैंड की पार्किंग में खड़ी बसों में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि, देखते ही देखते कई बसें उसकी चपेट में आ गईं। इस घटना से बस संचालक में हड़कंप मच गया। वहीं मौके पर दमकल विभाग को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। मिली जानकारी के अनुसार, देर रात आईएसबीटीपरिसर के पार्किंग एरिया में खड़ी बसों में अचानक आग भड़क उठी। आग की चपेट में कम से कम 5 बसें आ गईं, जबकि कुछ रिपोर्ट्स में आधा दर्जन बसों के पूरी तरह जलकर खाक होने की बात सामने आ रही है।

कैश कांड में जस्टिस यशवंत वर्मा ने दिए जवाब

पुलिस मौके को सुरक्षित नहीं रख सकी तो मैं कैसे जिम्मेदार

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली कैश कांड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग को लेकर अपडेट आया है। जस्टिस यशवंत वर्मा ने महाभियोग को लेकर गठित की गई संसदीय समिति के समक्ष अपना जवाब दायर कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने अपने जवाब में सवाल उठाया है कि क्राइम सीन को सुरक्षित रखने में सरकारी अधिकारी विफल रहे तो उन्हें महाभियोग का सामना क्यों करना चाहिए सूत्रों के मुताबिक संसदीय समिति के समक्ष अपने

जवाब में जस्टिस वर्मा ने खुद के बचाव में कई तर्क दिए हैं। उन्होंने कहा है कि वे वह घटनास्थल पर सबसे पहले पहुंचने वाले व्यक्ति ही नहीं थे। जब पुलिस मौके को सुरक्षित करने में नाकाम रही तो फिर उन्हें कैसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? जस्टिस वर्मा ने संसदीय समिति के समक्ष यह भी कहा कि आग लगने की घटनाओं में जिस तरह की कार्रवाई अपेक्षित होती है, पुलिस को वैसी ही कार्रवाई करनी चाहिए थी। मौके पर मौजूद पुलिस ने घटनास्थल को सील नहीं किया। पुलिस और फायर ब्रिगेड दोनों मौके पर मौजूद थे, लेकिन उन्होंने जरूरी कार्रवाई ही नहीं की। संसदीय समिति को दाखिल जवाब में जस्टिस यशवंत वर्मा ने यह भी बताया है कि घटनास्थल से किसी तरह की बरामदगी नहीं हुई। अब यह कहा जा रहा कि वहां से नकदी बरामद हुई। जब वह खुद मौके पर मौजूद नहीं थे और न फर्स्ट रिस्पोंडेंट थे।

बड़ी वारदातों को अंजाम देने वाले इनामी नक्सली

छत्तीसगढ़ में 29 नक्सलियों ने किया सरेंडर-सभी ने डाले हथियार

सुकमा / संवाददाता

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में दो लाख रुपए के इनामी नक्सली समेत 29 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि जिले के गोगुंडा क्षेत्र अंतर्गत केरलापाल एरिया कमेटी में एक्टिव 29 नक्सलियों ने आज आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में गोगुंडा पंचायत में दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संगठन के अध्यक्ष पोड़ियाम बुधरा पर दो लाख रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली सुकमा जिले की कई बड़ी वारदातों में संलिप्त रहे हैं। इस आत्मसमर्पण में गोगुंडा क्षेत्र में सुरक्षा शिविर की स्थापना की अत्यंत अहम भूमिका रही है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि सुरक्षा शिविर की स्थापना के बाद क्षेत्र में प्रभावी नक्सल विरोधी अभियान, निरंतर दबाव, सघन अभियानों के परिणामस्वरूप नक्सल संगठन की गतिविधियां सीमित हुईं। इससे कैडरों में संगठन के प्रति मोहभंग हुआ और उन्होंने आत्मसमर्पण की राह चुनी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गोगुंडा क्षेत्र विषम एवं दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण पूर्व में नक्सलियों के दरभा डिवीजन के लिए सुरक्षित और अनुकूल ठिकाना माना जाता था। सुरक्षा शिविर की स्थापना के बाद इन नक्सली ठिकाने को पूर्णत: ध्वस्त किया गया और क्षेत्र में लगातार प्रभावी नक्सल ऑपरेशन चला

कर नक्सली संगठन पर निर्णायक दबाव बनाया गया। उसके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होने के साथ क्षेत्र में शासन की समस्त कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं का लाभ अब ग्रामीणों तक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। इससे स्थानीय जनता का विश्वास शासन-प्रशासन के प्रति और अधिक मजबूत हुआ है। अधिकारी ने यह भी बताया कि इस आत्मसमर्पण के बाद दरभा डिवीजन के हथियारबंद नक्सलियों के साथ अब उनका सपोर्ट सिस्टम भी ध्वस्त हो गया है। 29 नक्सलियों के सामूहिक आत्मसमर्पण के बाद केरलापाल एरिया कमेटी नक्सली प्रभाव से मुक्त होने के अंतिम चरण में है। अधिकारियों ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को राज्य सरकार की पुनर्वास नीति छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत पुनर्वास नीति 2025 के तहत 50-50 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके अलावा भी कई सुविधाएं दी जाएंगी। इससे पहले 9 जनवरी को दंतेवाड़ा में 63 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया था। साल 2025 में राज्य में 1500 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

केरलपाल एरिया कमेटी नक्सल-मुक्त होने के करीब

पुलिस अधिकारियों का मानना है कि इस सामूहिक आत्मसमर्पण के बाद, केरलपाल एरिया कमेटी अब नक्सल-मुक्त होने के अंतिम चरण में पहुंच गई है। यह सुकमा जिले के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो क्षेत्र में स्थायी शांति और विकास की राह प्रशस्त करेगी। सुरक्षा बल यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि नक्सल विरोधी अभियान इसी तरह जारी रहे, ताकि क्षेत्र में विकास और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। यह सफलता अन्य नक्सलियों को भी आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित कर सकती है।

मितानिन सम्मान समारोह में 400 मितानिनें सम्मानित

स्वास्थ्य व रक्त जांच शिविर में 500 लोगों का परीक्षण, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने की शिरकत

डोंगरगांव नगर। जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कोपेडीह के आश्रित ग्राम आलीखुटा में विकासखंड स्तरीय मितानिन सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्त जांच शिविर भी आयोजित की गई। समारोह में लगभग 400 से अधिक मितानिनों का सम्मान किया गया। वहीं 500 से अधिक लोगो ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इस मौके पर स्वच्छता दीदियों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में 400 से अधिक मितानिन बहनों को उनके निस्वार्थ सेवा कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं ग्राम पंचायत कोपेडीह की स्वच्छता दीदियों एवं ग्राम कोटवारों का भी सम्मान किया गया। स्वास्थ्य एवं रक्त जांच शिविर में 500 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर परामर्श लिया। शिविर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तुमडीबोड तथा नवजीवन दीप मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल राजनंदगांव की विशेषज्ञ टीम ने अपनी सेवाएं दी। कार्यक्रम में नवजीवन दीप मल्टी स्पेशलिस्ट के डॉ. चेतन साहू (एमडी) एवं उनकी टीम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तुमडीबोड की डॉ. प्रिया चंद्रवंशी, डॉ. त्रिपाठी सहित स्वास्थ्यकर्मियों को सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पुलिस चौकी तुमडीबोड से पटेल भी उपस्थित रहे। उन्होंने ग्रामीणों को अपराध से बचाव को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उदघाटन समारोह में किरण वैष्णव, अध्यक्ष जिला पंचायत राजनांदगांव ने मुख्यअतिथि बतौर शिरकत की। प्रमुख अतिथि दिनेश गांधी, पूर्व जिपंअध्यक्ष किरण साहू, उपाध्यक्ष जिला पंचायत राजनांदगांव सम्मिलित हुए। अध्यक्षता रंजीता पडोटी जपंअध्यक्ष ने की। विशेष अतिथि मनीष साहू जपंउपाध्यक्ष, जया तिमेस साहू जपं सभापति डोंगरगांव सहित सरपंच भोज ठाकुर व पन्नालाल साहू उपसरपंच शामिल हुए। समापन समारोह में मुख्य अतिथि बतौर डॉ. रुबीना अंजुम अल्वी ने शिरकत की। अध्यक्षता महेंद्र यादव ने की। विशेष अतिथि मदन साहू अध्यक्ष जिला किसान कांग्रेस राजनांदगाँव, भुनेश्वरी साहू सरपंच, भुवाल साहू सरपंच, लीकेश गंधर्व, हेमंत साहू, खेमलाल चंद्रवंशी, विनाधर वर्मा, टीकम चंद्रवंशी सहित क्षेत्र के प्रमुख नेतागण शामिल हुए। क्षेत्रीय जनपद पंचायत सदस्य सरिता मदन साहू, सरपंच बीरसिंग् कंवर तथा ग्राम पंचायत परिवार व आलीखुटा के ग्रामीणों के आयोजित समारोह में सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रेम, करुणा एवं समरसता के प्रतीक हैं राम : वैष्णव

डोंगरगांव नगर। अंचल के ग्राम गिदर्री खुज्जी में आयोजित दो दिवसीय मानस महोत्सव का समापन समाजसेवी दाऊ प्रतुल कुमार वैष्णव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरुण मेश्राम प्राचार्य थे। विशिष्ट अतिथि हरिला कौशल चंद्रवंशी जनपद सदस्य, चंद्रकला चौरे सरपंच, प्रीतम साहू अध्यक्ष, शाउमा स्कूल गिदर्री, द्वारिका पटेल, प्रबंधक सेवा सहकारी समिति गिदर्री, गुलशन साहू व्याख्याता एवं दुलार सिंह ठाकुर व्याख्याता थे। अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी दाऊ प्रतुल कुमार वैष्णव ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि भगवान रामचंद्र प्रेम, करुणा एवं समरसता के प्रतीक हैं। परम राम भक्त, वैष्णव संत, जगतगुरु रामानंदाचार्य, ने 'ऊंच नीच पूछै नहीं कोई, हरि को भजै सो हरि का होई' की उदघोषणा के साथ सभी को राम भक्ति से जोड़ा इसलिए हृदय में समरसता, प्रेम और दया के भाव के साथ किए अर्चना को ही श्री राम चंद्र स्वीकार करते हैं। मुख्य अतिथि अरुण कुमार मेश्राम ने श्री राम चरित मानस को भारत की आत्मा बताते हुए अन्य महापुरुषों द्वारा रचित रामायण का उल्लेख किया। दो दिवसीय मानस महोत्सव में पूरे छत्तीसगढ़ के सुदूर क्षेत्रों से आए हुए अनेक मानस मंडलियों ने श्री राम के चरित्र का गुणानुगान किया। कार्यक्रम का आयोजन प्रति वर्ष नवज्योति नवयुवक मंडल मानस प्रचार समिति, गिदर्री के द्वारा किया जाता है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मनक भंडारी संयोजक, मोहित भुआर्य, जीवराखन साहू, भूखन पटेल उपसरपंच, रामसहाय ऊइके, लोभराम चौरे, दौलत भुआर्य, जोहन पटेल, ढालसिंह सहारे, पोषण कुल्हारे, नरेश पटेल, सोहन देवांगन सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

कृषि उपज मंडी परिसर में सहयोग द्वारा 101 पौधारोपण

बेमेतरा। कृषि उपज मंडी प्रांगण बेमेतरा मे स्व. अचलदास चाचा की स्मृति मे उनके पुत्र बंटी (दिलीप) चाचा अध्यक्ष माहेश्वरी युवा संगठन एवं प्रापार्टी डीलर एवं चाचा परिवार बेमेतरा द्वारा 101पौधों का रोपण करवाया, जिसमे नीम कटहल पीपल मोलश्री करंज जामुन आम कदम्ब आदि के 7 फिट ऊचाई के छाया दार पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि विजय सिन्हा अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बेमेतरा विशेष अतिथि बंटी चाचा थे। कार्यक्रम के प्रारम्भ मे संस्था के अध्यक्ष डॉ सुभाष चौबे जी ने कहाँ की हमारा एक ही उददेश्य है- जल जंगल जमीन का संरक्षण एवं स्वच्छता बंटी चाचा ने कहा सहयोग को जितने भी पेड़ लगाने हो निश्चिंत हो कर लगाए उनपर आने वाला खर्च मै और मेरा परिवार वहन करने को तैयार हैं, विजय सिन्हा जी ने कहा सरकार की और से जल्द ही सहयोग को वृहद पौधारोपण के लिए भूमि प्रदान की जाएगी और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। रमन काबरा नें सहयोग की योजनाओ को विस्तार से बताया और लोगो से अपील की की कही भी शाशकीय भूमि पर अगर छायादार पीपल नीम बरगद आदि पेड़ो की अवैध कटाइ हो रही हो तो हमें जानकारी दे हम उन्हें बचाने का भरसक प्रयास करेंगे। समाजसेवी ताराचंद चाचा नें भी उदबोधन दिया। सहयोग द्वारा बंटी चाचा का प्रतीक चिन्ह दे कर सम्मान किया गया। आभार प्रदर्शन रामा मोटवानी नें किया। इस आयोजन में प्रमुख रूप से श्रीनिवास द्विवेदी सीएमओ भिभोरी, चंद्राकर प्राचार्य बाल हरि देवांगन शिक्षक, प्रमोद ढाकुर आत्मानंद स्कूल, अंजू पांडे प्रवीण, पाठक पवन वर्मा लक्ष्य ग्रुप के साथ कृषि मंडी के प्रतिनिधि के रूप राजू यादव पार्षद नीतू कोठारी गौरव साहू रोशन दत्ता पार्षद विकाश तम्बोली एवं बड़ी संख्या मै नागरिक जन उपस्थित थे। बता दें कि सन 2001 से जल जंगल जमीन के संरक्षण और स्वछता के लिए कार्य कर रही संस्था सहयोग के सदस्यों द्वारा प्रतिदिन प्रातःकाल एक घंटा शहर को स्वच्छ सुन्दर हराभरा रखने के लिए देते है।

एनडीआरएफ द्वारा जिले में फेमेक्स-2026 जागरूकता कार्यक्रम

12 से 24 जनवरी तक विभिन्न स्थानों पर होंगे अभ्यास एवं प्रशिक्षण

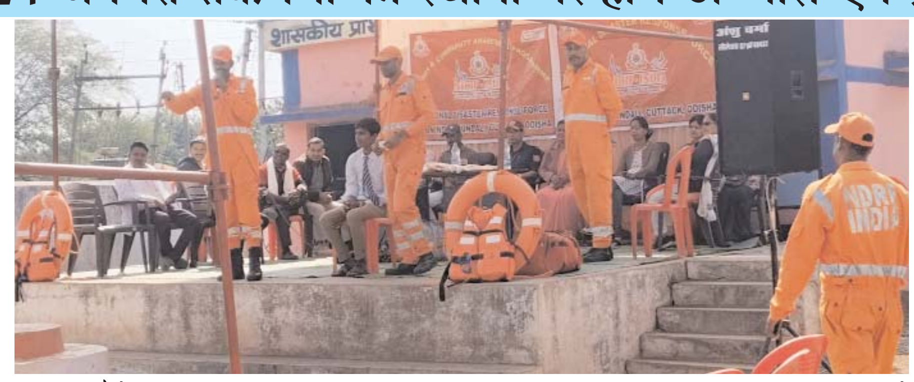

बेमेतरा। एनडीआरएफ (गृह मंत्रालय, भारत सरकार) की 03 वाहिनी, मुण्डली कटक (ओडिशा) से प्राप्त पत्र 11 दिसंबर 2025 के अनुसार जिला बेमेतरा में दिनांक 12 जनवरी 2026 से 24 जनवरी 2026 तक फुल स्केल एक्सरसाइज (फेमेक्स-2026), मॉकड्रिल एवं कम्युनिटी अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मार्गदर्शन में राहत एवं आपदा शाखा के समन्वय से आयोजित किया जा रहा है। फेमेक्स-2026 एवं सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उददेश्य जिले के स्थानीय नागरिकों, समुदाय के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, विद्यालय के बच्चों एवं विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाओं की स्थिति में अपनाए जाने वाले क्या करें और क्या न करें के संबंध में प्रशिक्षित एवं जागरूक करना है, ताकि वे किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित, सुरक्षित एवं प्रभावी रूप से प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो सकें। इस दौरान एनडीआरएफ की प्रशिक्षित टीम द्वारा बाढ़, आगजनी, भूकंप, सड़क दुर्घटना, औद्योगिक दुर्घटना, भवन ध्वस्तीकरण एवं गैस रिसाव जैसी आपदा परिस्थितियों पर वास्तविक परिदृश्य के अनुरूप फुल स्केल अभ्यास (फेमेक्स) एवं मॉकड्रिल का आयोजन किया जाएगा। अभ्यास के माध्यम से रेस्क्यू ऑपरेशन, राहत कार्य, प्राथमिक उपचार, घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने, त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने तथा सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रदर्शन किया जाएगा। फेमेक्स कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका, अग्निशमन विभाग, राजस्व विभाग, होमगार्ड, राहत एवं आपदा शाखा सहित अन्य संबंधित विभागों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही जिले के एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाइड्स, स्वयंसेवी संगठनों एवं आपदा मित्रों को भी इस कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक आपदा से बचाव एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी पहुंचाई जा सके। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे फेमेक्स कार्यक्रम की निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर अपनी तथा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करें तथा कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को स-सम्मान सहभागिता हेतु आमंत्रित करें। इस कार्यक्रम के माध्यम से विभागीय समन्वय को मजबूत करने के साथ-साथ आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की क्षमता विकसित की जाएगी। फेमेक्स-2026 के अंतर्गत 12 जनवरी 2026 को ग्राम पंचायत लोलेसरा एवं ग्राम पंचायत गुनरबोड़ में, 13 जनवरी को लक्ष्मण प्रसाद दुबे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दाढ़ी एवं शासकीय हाई स्कूल छिरहा में, 14 जनवरी को ग्राम पंचायत सरदा में, 15 जनवरी को शासकीय हाई स्कूल सांकरा में, 16 जनवरी को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवरबीजा (बेरला) में, 17 जनवरी को बालक आत्मानंद विद्यालय साजा में, 19 जनवरी को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केहका में, 20 जनवरी को पीएमश्री आत्मानंद विद्यालय थानखम्हरिया में, 21 जनवरी को पीएमश्री आत्मानंद विद्यालय देवकर एवं नवीन महाविद्यालय परपोड़ी में, 22 जनवरी को शासकीय हाई स्कूल नवागढ़ एवं के.आर.डी. महाविद्यालय नवागढ़ में, 23 जनवरी को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नांदघाट में तथा 24 जनवरी 2026 को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मारो में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि फेमेक्स, मॉकड्रिल एवं जागरूकता कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह या घबराहट पर ध्यान न दें। यह एक पूर्व नियोजित अभ्यास है, जिसका उददेश्य आपदा की वास्तविक स्थिति में जन-धन की क्षति को न्यूनतम करना तथा त्वरित, संगठित एवं प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करना है। प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया है कि इस प्रकार के अभ्यासों से जिले का आपदा प्रबंधन तंत्र और अधिक सशक्त, सतर्क एवं आपदा के लिए पूर्णतः तैयार बनेगा।

स्वामी आत्मानंद स्कूल हसदा की बालिका फुटबाल टीम ने रजत पदक जीता

बेमेतरा। उदयपुर सिटी (राजस्थान) में आयोजित भारतीय खेल एवं शिक्षा परिषद के द्वारा पच्चीस वीं राष्ट्रीय जूनियर फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 7 से 9 जनवरी तक आयोजित किया गया था। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ सहित लगभग 12 राज्यों के टीम ने हिस्सा लिया। पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश आदि राज्यों की टीम ने हिस्सा लिया। जिसमें लगभग 250-300 खिलाड़ी शामिल हुए तथा जहां छत्तीसगढ़ के जूनियर बालिका टीम ने रोमांचक मुकाबले खेले व अपना हुनर दिखाया और छत्तीसगढ़ टीम ने रजत पदक अपने नाम किया। स्वामी आत्मानंद स्कूल हसदा बेमेतरा की 9 खिलाड़ियों का चयन छत्तीसगढ़ की जूनियर बालिका फुटबाल टीम में हुआ था। संघ प्रमुख सचिव लोकेश्वर राव ने बताया कि छत्तीसगढ़ की बालिका टीम ने अपने पहले मुकाबले मे महाराष्ट्र को 1-2 से जीता तथा दूसरे मैच मे उत्तराखंड को 3-4 से हराया, और आखिरी मुकाबले में राजस्थान से 4-3 से हार का सामना करना पड़ा। तथा टीम ने रजत पदक पर अपना कब्जा जमाया। इस तरह छत्तीसगढ़ की जूनियर बालिका वर्ग मे द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। अतः छत्तीसगढ़ फुटबाल बालिका टीम इस प्रकार थी। बालिका वर्ग मे डिंपल निषाद (कप्तान), स्वर्णा टिकरिहा, करूणा पाल, लिखिता ठाकुर, भूमिका साहू, ठाणेश्वरी, चेतावली निषाद, लावण्या ध्रुव, नैना सिन्हा, तनिष्का सिंह बालिका टीम कोच होमेश्वरी निर्मलकर व मैनेजर अवध पटेल है। जूनियर बालिका टीम का चयन इस प्रकार हुआ था राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता भारतीय खेल एवं शिक्षा परिषद के द्वारा स्वामी विवेकानंद स्टेडियम, रायपुर में आयोजित हुआ था।

राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ था, जिसमें 10 जिलों की टीम ने हिस्सा लिया था। जिसमें बेमेतरा जिले की बालिका टीम प्रथम स्थान प्राप्त किया था तथा बिलासपुर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया था, व तृतीय स्थान मुंगेली ने प्राप्त किया, बाकी जिलों के नाम मुंगेली, रायपुर, कोरबा, राजनांदगांव, बालोद, कांकेर, बस्तर इस प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट मुकाबले और रोमांचक हुनर के बदौलत इन सभी खिलाड़ियों का चयन छत्तीसगढ़ की जूनियर बालिका टीम में हुआ।इन सभी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर व राज्य स्तरीय स्तर पर अनेकों बार अपने बेमेतरा, छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है तथा अपने प्रदेश को गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल एवं ब्रोंज मेडल भी लाकर दिया है। स्कूल के व्यायाम शिक्षक लोकेश्वर राव ने फुटबाल खेल के महत्व को बताते हुए कहा फुटबाल ना केवल शारीरिक ताकत और गति का खेल है, बल्कि यह टीम वर्क, अनुशासन, रणनीति,और आत्मविश्वास कि शिक्षा देता है। इस खेल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओ को अवसर मिल रहे है। यह खेल नशा मुक्त स्वस्थ और सशक्त समाज निर्माण की दिशा मे महत्व पूर्ण भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ फुटबाल टीम को रजत पदक जितने पर स्वामी आत्मानंद स्कूल हसदा बेमेतरा संस्था के प्राचार्य जे पी सिंह दुष्यन्त कुमार परगनिहा सरपंच चंद्रशेखर परगनिहा बलि राम धीवर अध्यक्ष शाला विकास समिति संध्या परगनिहा, जनपद सदस्य रेखा पोषण सिन्हा, रामेश्वरी साहू एवं संघ के सदस्यगण सह सचिव नितिन राव, आकाश वर्मा, देविका वर्मा, आंचल बंछोर, मानचंद, साधराम है, रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर खिलाड़ियों एवं संघ के सदस्यगण द्वारा फूल माला से खिलाड़ियों का स्वागत किया गया। यह जानकारी हसदा स्कूल के लोकेश्वर राव व्यायाम शिक्षक ने खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन, उत्कृष्ट खेल एवं जीत के लिए उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं प्रदान की यह जानकारी हसदा स्कूल के व्यायाम शिक्षक लोकेश्वर राव ने दी।

राज्य कर्मचारी संघ के मांग पर मुख्यमंत्री ने 3 प्रतिशत मंहगाई भत्ता बढ़ाने की घोषणा

बेमेतरा। राज्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ से संबंद्ध भारतीय मजदूर संघ का सहयोगी संगठन का अष्टम प्रांतीय अधिवेशन 11 जनवरी को सरस्वती शिक्षा संस्थान रोहणी पुरम रायपुर में सम्पन्न हुआ। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने, प्रदेश अध्यक्ष अरूण तिवारी द्वारा प्रस्तुत पाँच माँगों में से एक 3% मँहगाई भत्ता बढ़ाने की घोषणा की और शेष माँगों को संगठन के साथ मिल बैठ कर विचार कर उचित निर्णय लेने की बात कही। उक्त अधिवेशन के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष नलेश्वर साहू व्याख्याता, सचिव मेघनाथ वर्मा पटवारी, संतोष देवांगन शिक्षक, संजय प्रकाश वर्मा पंचायत सचिव, लता दीक्षित पर्यवेक्षक महिला बाल विकास सहित अन्य प्रतिनिधियों को सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। 3% मँहगाई भत्ता की मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा से प्रदेश के अधिकारी-कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री अश्वनी चेलक ने व आभार प्रदर्शन प्रदर्शन प्रदेश संगठन मंत्री बोधीराम निषाद ने किया।

एम्बो पब्लिक हायर सेकण्डरी स्कूल में वार्षिक उत्सव संपन्न

बेमेतरा। एम्बो पब्लिक हायर सेकण्डरी स्कूल में वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बेमेतरा विधायक दिपेश साहू अध्यक्षता कर रहे नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा एवं विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति रही। वार्षिक उत्सव में शामिल होकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया और शिक्षा के साथ-साथ संस्कार व सांस्कृतिक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर एम्बो स्कुल चेयरमेन अखिलेश शर्मा विकास तम्बोली चांदनी रोशन दत्ता नीतू कोठारी योगेश वर्मा सहित बड़ी संख्या मे पालक उपस्थित रहे।

डॉ सौरव निर्वाणी बने सह प्रांत प्रमुख धर्म समाज

अशोक चतुर्वेदी हरिवंश को धर्म समाज प्रमुख की जिम्मेदारी

बेमेतरा। अखिल भारतीय संत समिति, छत्तीसगढ़ प्रांत द्वारा वैष्णव संत रामानंदाचार्य की जयंती के भव्य समारोह के पावन अवसर प्रदेशभर से आए साधु-संतों एवं महंतों के महासम्मेलन के दौरान धर्म समाज के नए दायित्वों की घोषणा की गई। इस अवसर पर वैष्णवाचार्य अशोक चतुर्वेदी हरिवंश को धर्म समाज प्रांत प्रमुख तथा धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ सौरव निर्वाणी को सह प्रांत प्रमुख, धर्म समाज के पद पर नियुक्त किया गया। नियुक्ति की औपचारिक घोषणा अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महासचिव जितेंद्रानंद महाराज द्वारा की गई। यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ प्रांत संत समिति के प्रदेश अध्यक्ष महंत सर्वेश्वर दास ने महामंत्री राधेश्याम दास की अनुशंसा पर की। रामानंदाचार्य 670 वी जयंती का यह भव्य आयोजन सिद्धि विनायक आश्रम, रतनपुर में केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, प्रबल प्रताप जूदेव सहित प्रदेश भर के अनेक संत-महंतों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। नियुक्ति पर अखिल भारतीय पुजारी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवकुमार बालादास, धर्म स्तंभ काउंसिल के सदस्यों एवं संत समाज ने हर्ष व्यक्त करते हुए दोनों पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ दीं।

धर्म स्तंभ काउंसिल के डॉ सौरव निर्वाणी ने उपस्थित संतों और महंतों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दायित्व मेरे लिए पद नहीं, सेवा का संकल्प है,मठ-मंदिरों की स्वायत्तता, वैष्णव परंपराओं के संरक्षण और सनातन मूल्यों के प्रचार-प्रसार के लिए मैं संत समाज के मार्गदर्शन में पूरी निष्ठा से कार्य करूंगा,संतों का यह विश्वास मेरे लिए प्रेरणा और उत्तरदायित्व दोनों है। अशोक चतुर्वेदी हरिवंश ने कहा कि रामानंदाचार्य की परंपरा समरसता और भक्ति का मार्ग है। संत समाज ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसके माध्यम से वैष्णव दर्शन, सेवा और सामाजिक चेतना को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य किया जाएगा। धर्म स्तंभ काउंसिल के महंत सुरेंद्र दास ने कहा कि डॉ सौरव निर्वाणी लंबे समय से मठ-मंदिरों के उन्नयन और धार्मिक चेतना के लिए सतत कार्य कर रहे हैं। उनकी नियुक्ति से वैष्णव परंपराओं के संवर्धन को नई गति मिलेगी। समारोह में उपस्थित संत-महंतों ने इसे छत्तीसगढ़ में धर्म समाज को संगठित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया।

संक्षिप्त समाचार

बिना निविदा करोड़ों की खरीदी प्राचार्य व अधिकारी निलंबित

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा विभाग में शासकीय खरीदी नियमों के उल्लंघन से जुड़े गंभीर प्रकरणों पर शासन द्वारा त्वरित और कठोर कार्रवाई लगातार की जा रही है। विश्वविद्यालयों एवं शासकीय महाविद्यालयों में बिना निविदा प्रक्रिया अपनाए करोड़ों रुपये की खरीदी किए जाने की शिकायत विभिन्न माध्यम से प्राप्त हुई थी। विभागीय जांच में यह उजागर हुआ कि कुछ विश्वविद्यालयों और शासकीय महाविद्यालयों द्वारा बिना निविदा प्रक्रिया अपनाए बड़े पैमाने पर क्रय आदेश जारी किए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा 15 अप्रैल 2025 को एक ही दिन में लगभग 1 करोड़ रुपये के 26 क्रय आदेश बिना निविदा के जारी किए गए। इसी तरह शासकीय बोरणा सनातन संस्कृत आदर्श महाविद्यालय, नारायणपुर द्वारा 14 अक्टूबर 2025 को एक ही दिन में 35 लाख रुपये के 22 क्रय आदेश तथा शासकीय आदर्श महाविद्यालय, लोहारकोट महासमुंद द्वारा 22 अक्टूबर 2025 को 1 करोड़ रुपये मूल्य के 36 क्रय आदेश बिना निविदा प्रक्रिया के जारी किए गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 28 नवंबर 2025 को अपर संचालक की अध्यक्षता में जांच समिति का गठन किया गया। समिति की रिपोर्ट के आधार पर शासकीय आदर्श महाविद्यालय लोहारकोट महासमुंद के प्राचार्य एवं क्रय समिति के सदस्यों को निलंबित कर दिया गया है। वहीं, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर तथा बोरणा सनातन संस्कृत आदर्श महाविद्यालय, नारायणपुर के प्रकरणों में भी कार्रवाई के तहत प्राचार्य सहित 4 सहायक प्राध्यापकों को निलंबित किया गया है। उच्च शिक्षा आयुक्तालय ने स्पष्ट किया है कि शासकीय खरीदी नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। यह मामला प्रदेश में उच्च शिक्षा संस्थानों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बिना रेरा पंजीकरण प्लॉट विक्रय पर सीजी रेरा की कार्रवाई हुई....

रायपुर। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण ने रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 के उल्लंघन पर कठोर कदम उठाते हुए रायपुर के दो भूमि स्वामियों गोवर्धन और रामानुज पर 5 लाख रुपये का आर्थिक दंड अधिरोपित किया है। प्राधिकरण के संज्ञान में यह मामला आया कि दोनों भूमि स्वामी ओम फर्म, लखोली रेलवे स्टेशन नाम से प्लॉट विकसित कर बिना वैध रेरा पंजीकरण के विज्ञापन, प्रचार-प्रसार और विक्रय का कार्य कर रहे थे। यह गतिविधि अधिनियम की धारा 3 का स्पष्ट उल्लंघन है। धारा 3 के अनुसार, किसी भी रियल एस्टेट परियोजना का रेरा पंजीकरण कराए बिना उसके प्रचार, बुकिंग अथवा विक्रय का आमंत्रण देना पूर्णतः प्रतिबंधित है। रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 के उल्लंघन पर कठोर कदम उठाते हुए प्राधिकरण ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि बिना पंजीकरण किसी भी प्रकार की प्लॉटिंग, विज्ञापन या विक्रय को गंभीर कानूनी अपराध माना जाएगा। साथ ही, भविष्य में ऐसे मामलों पर और अधिक कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच, दस्तावेजों की पड़ताल एवं सुनवाई के बाद प्राधिकरण ने निष्कर्ष निकाला कि संबंधित व्यक्तियों द्वारा कानून का उल्लंघन किया गया है। परिणामस्वरूप सीजी रेरा ने दोनों भूमि स्वामियों पर कुल 5 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है।

हत्या व हत्या का प्रयास मामले में नाबालिग समेत पांच आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के तेलीबांधा क्षेत्र में रविवार रात पुरानी रंजिश को लेकर हुए हत्या और जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों और एक नाबालिग बालक सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस के अनुसार, मृतक और आरोपी आपस में परिचित थे किंतु दीपावली के समय हुए आपसी झगड़े और विवाद के बाद से उनके बीच मनमुटाव चल रहा था। इसी पुरानी रंजिश के चलते 11 जनवरी रविवार की रात लगभग 10:30 बजे यह वारदात हुई। घटना के समय मृतक आदित्य कुर्रे और उसका साथी अभय सारथी आरोपी लोकेश विश्वकर्मा के घर के पास पहुंचे थे। इसी दौरान लोकेश विश्वकर्मा ने अपने भाई आकाश विश्वकर्मा और अन्य साथियों के साथ मिलकर दोनों युवकों पर धारदार चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हमले में आदित्य कुर्रे को गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अभय सारथी को भी गंभीर रूप से घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार घायल की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी लोकेश विश्वकर्मा और आकाश विश्वकर्मा सगे भाई हैं और दोनों के नाम थाना की गुंडा सूची में दर्ज हैं। इसके अलावा मृतक और आरोपियों के खिलाफ थाना तेलीबांधा एवं थाना सिविल लाइन में पूर्व से कई आपराधिक प्रकरण दर्ज होना भी सामने आया है, जिससे स्पष्ट होता है कि सभी का आपराधिक इतिहास रहा है। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों और एक अपचारी बालक को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो धारदार चाकू भी बरामद किए गए हैं।

सर्तक ऐप से सख्त निगरानी:धरसीवां में 200 क्विंटल धान व वाहन जप्त, मील को किया गया सील

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विकसित सर्तक ऐप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के आधार पर जिले के धान उपार्जन केंद्रों, राइस मिलों एवं समितियों में सघन जांच अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज धरसीवां विकासखंड के ग्राम दोंदेकला स्थित प्राथमिक कृषि साख सेवा सहकारी समिति में संयुक्त जांच दल द्वारा जांच की गई। जांच के दौरान पीडी राइस मील के संचालक नूतन अग्रवाल, पति प्रदीप अग्रवाल से संबंधित 500 कट्टा (200 क्विंटल) धान एवं परिवहन में प्रयुक्त वाहन क्रमांक सीजी 04 जेई 0813 को जप्त एवं राइस मील को सील किया गया। सर्तक ऐप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का तीन दिवस के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे जिले में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई संभव हो पा रही है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान खरीदी एवं उठाव की निगरानी के लिए राज्य शासन द्वारा इस वर्ष सर्तक ऐप के माध्यम से नई तकनीकी व्यवस्था लागू की गई है। इसके अंतर्गत धान खरीदी एवं परिवहन की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जा रही है।

बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप विकास कार्यों और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े अधोसंरचनाओं को समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश

रायपुर को मेट्रो सिटी के रूप में विकसित करेगी सरकार-मुख्यमंत्री साय

- रायपुर शहर विकास के रोडमैप पर हुई व्यापक चर्चा रेल्वे,नगर निगम एवं लोक निर्माण विभाग बेहतर समन्वय कर विकास कार्य की गति में लाए तेजी

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर शहर के विकास में धन की कोई कमी आड़े नहीं आएगी। राज्य सरकार जनादेश और जनभावना के अनुरूप रायपुर को मेट्रो सिटी की तर्ज पर विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ सड़क, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं की आधुनिक और सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में रायपुर शहर एवं आसपास के क्षेत्रों के समग्र विकास को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नगरीय निकायों को अधोसंरचना विकास के लिए पूर्व की तुलना में ढाई गुना अधिक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे राजधानी क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध विकास कार्य संभव हो सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण रायपुर में यातायात, आवास, जल आपूर्ति और सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव बढ़ रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों स्तरों पर ठोस और व्यावहारिक योजना बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि शहर की जरूरतों को आने वाले दशकों तक पूरा किया जा सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पष्ट किया कि रायपुर का समग्र विकास तभी संभव है जब नगर निगम, रेलवे और लोक निर्माण विभाग आपसी समन्वय के साथ योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को

निर्देश दिए कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा बताए गए जमीनी मुद्दों और आवश्यकताओं को प्राथमिकता के साथ कार्ययोजनाओं में शामिल किया जाए। बैठक में शहर के ड्रेनेज सिस्टम की स्थिति, प्रमुख चौक-चौराहों पर अतिक्रमण, निगम द्वारा निर्मित व्यवसायिक परिसरों में खाली दुकानों के पुन: विक्रय, स्वास्थ्य अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण तथा मेकाहारा मेडिकल कॉलेज की सुविधाओं के उन्नयन जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने, पेयजल आपूर्ति, जल शोधन संयंत्रों, सीवरेज नेटवर्क, खेल मैदानों के संरक्षण तथा झुग्गी-झोपड़ी पुनर्विकास योजनाओं की प्रगति की भी गहन समीक्षा की गई, ताकि शहरी जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार लाया जा सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अंडरग्राउंड विद्युत लाइनें, नए सड़क मार्ग, फ्लाईओवर, सार्वजनिक भवनों तथा स्टेडियमों के निर्माण जैसे प्रस्तावित प्रोजेक्ट्स के सम्बन्ध में भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र मुख्य सचिव कार्यालय को भेजे जाएँ और बुनियादी अधोसंरचना से जुड़े कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए, ताकि रायपुर को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और नागरिक-अनुकूल राजधानी के रूप में विकसित किया जा सके। बैठक में उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, वित्त श्री ओ.पी. चौधरी एवं कौशल उन्नयन मंत्री श्री खुशवंत साहेब, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी सहित श्री पुरंदर मिश्रा, श्री राजेश मूणत, श्री मोतीलाल साहू, श्री अनुज शर्मा, श्री इंद्र कुमार साहू, रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे, मुख्य सचिव श्री विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह तथा वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

वीबी जी-राम-जी गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है:अरुण सिंह

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी केप्रदेश कार्यालय में विकसित भारत जी-राम-जी जनजागरण अभियान को लेकर प्रदेशस्तरीय कार्यशाला आहूत की गई। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यशाला को संबोधित किया। प्रेजेंटेशन के माध्यम से वीबी-जी राम जी पर विस्तार से चर्चा करते हुए शू सिंह ने कहा कि गाँवों के सर्वांगीण विकास के लिए यह एक महत्वपूर्ण योजना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम 2025 लाया गया है, जो देश के गाँवों को विकसित बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। यह अधिनियम किसानों, मजदूरों और गरीबों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री श्री सिंह ने कहा कि विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम मनरेगा योजना का उन्नत और अधिक प्रभावी रूप है और कई मायनों में इससे बेहतर है। मनरेगा में जहाँ 100 दिनों का रोजगार मिलता था, वहीं अब इस अधिनियम के तहत ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों के सुनिश्चित रोजगार की कानूनी गारंटी मिलेगी। मजदूरी भुगतान अब सात दिनों के भीतर किया जाएगा। इससे मजदूरों को न्याय मिलेगा और भुगतान में देरी जैसी पुरानी समस्याओं का

समाधान होगा। खेती-किसानी के कार्यों को सुरक्षित रखने के लिए बुआई और कटाई के समय 60 दिनों तक कार्य रोके जा सकेंगे, ताकि किसानों को पर्याप्त मजदूर उपलब्ध हों और कृषि गतिविधियाँ प्रभावित न हों। श्री सिंह ने कहा कि विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम के अंतर्गत चार प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष फोकस किया जाएगा - जल सुरक्षा, ग्रामीण अधोसंरचना, आपदा सुरक्षा और आजीविका संवर्धन। इस अधिनियम के माध्यम से कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और कौशल विकास जैसी गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्र में समुचित रोजगार मिले, यह हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता - किरण देव भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत जी राम जी योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत-2047 की संकल्पना को पूरा करने की दिशा में एक अहम कदम होगा। विकसित भारत जी राम जी बिल को लोकसभा एवं राज्यसभा में पारित करने के लिए श्री मोदी एवं केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद देते हुए श्री देव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को समुचित रोजगार मिले।

बिहान योजना से बदली जिंदगी नागपुर की कश्मीरा जायसवाल बनी आत्मनिर्भर महिला उद्यमी

- कश्मीरा की दुकान आज गांव की महिलाओं के लिए सुविधाजनक केंद्र बन गई है
- इससे न केवल उनके व्यवसाय में वृद्धि हुई है, बल्कि गांव में उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ी है

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन की बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं के जीवन में आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बन रही है। शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से महिलाएं स्व सहायता समूहों से जुड़कर न केवल आजीविका के नए साधन विकसित कर रही हैं, बल्कि समाज में सम्मानजनक पहचान भी बना रही हैं। इसका प्रेरक उदाहरण मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम पंचायत नागपुर निवासी कश्मीरा जायसवाल हैं, जिन्होंने बिहान योजना के सहयोग से अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है। कश्मीरा जायसवाल ओम शांति महिला स्व सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। वे पूर्व में सीमित संसाधनों के कारण सिलाई कार्य को व्यवसाय के रूप में विस्तार नहीं दे पा रही थीं। जून 2025 में उन्हें बिहान योजना के अंतर्गत 60 हजार रुपये का सामुदायिक निवेश निधि ऋण प्राप्त हुआ। इस वित्तीय सहायता से उन्होंने नई सिलाई मशीनें खरीदीं, कपड़े, धागे एवं अन्य आवश्यक सामग्री का भंडारण किया तथा गांव में एक छोटी कपड़ा दुकान भी प्रारंभ की। आर्थिक सहयोग से उनका व्यवसाय और बेहतर हो गया। पहले जहां घरेलू आवश्यकताओं के लिए उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब वे अपने व्यवसाय से परिवार का खर्च स्वयं वहन कर रही हैं। वर्तमान में उन्हें सिलाई कार्य एवं कपड़ा दुकान से प्रति माह 4,000 से 6,000 रुपये तक की नियमित आय प्राप्त हो रही है, जिससे बचत भी संभव हो पाई है। कश्मीरा की दुकान आज गांव की महिलाओं के लिए सुविधाजनक केंद्र बन गई है। इससे न केवल उनके व्यवसाय में वृद्धि हुई है, बल्कि गांव में उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ी है। कश्मीरा जायसवाल ने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

32 हितग्राहियों मोर जमीन मोर मकान के तहत मिला लाभ......

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव के मार्गदर्शन में महापौर श्रीमती मीनल चौबे के मार्गनिर्देशन में रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी की जनहितैषी मंशा के अनुरूप संचालित केन्द्र सरकार की अभिनव लोककल्याणकारी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मोर जमीन मोर मकान घटक का क्रियान्वयन रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में नगर निगम रायपुर के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण

साव के मार्गदर्शन और रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप के मार्गनिर्देशन में तेज गति से निरन्तर प्रगति पर है। आज नगर पालिक निगम रायपुर के मुख्यालय भवन के महापौर कक्ष में महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम जोन 3 जोन अध्यक्ष श्रीमती साधना प्रमोद साहू, एमआईसी सदस्य संतोष सीमा साहू, अमर गिदवानी, पार्षद श्रीमती पुष्पा रोहित साहू, राजेश गुप्ता की उपस्थिति में नगर निगम जोन 3 क्षेत्र के वार्डों के रहवासी 32 हितग्राहियों को केन्द्र सरकार की अभिनव प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मोर जमीन मोर मकान घटक के अंतर्गत मकान निर्माण रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में प्रारम्भ करने भवन अनुज्ञा स्वीकृति पत्र प्रदत्त किये. इस दौरान नगर निगम रायपुर के अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, जोन 3 उप अभियंता नगर निवेश अक्षय भारद्वाज की उपस्थिति महापौर कक्ष में रही. मकान निर्माण कार्य प्रारम्भ करने महापौर श्रीमती मीनल चौबे, जोन 3 अध्यक्ष, एमआईसी सदस्यों, पार्षदों से भवन अनुज्ञा स्वीकृति पत्र प्राप्त कर सभी हितग्राहियों के चेहरे खिल उठे।

टोकन नही मिलने पर किसान पिया कीटनाशक

रायपुर। जिले के कोरबी निवासी एक किसान ने धान बिक्री का टोकन न मिलने से परेशान होकर कीटनाशक का सेवन कर लिया है। घटना के बाद उसे गंभीर हालत में जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां किसान का उपचार जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, कीटनाशक का सेवन करने वाले किसान की पहचान कोरबी निवासी 40 वर्षीय सुमेर सिंह गोड़ के रूप में हुई है। बताया जाता है कि किसान ने करीब 3 एकड़ 75 डिसमिल जमीन खरीदी थी,जिस पर हुए 68 क्विंटल से अधिक धान की बिक्री के लिए टोकन कटवाने की लगातार कोशिश कर रहा था,लेकिन लगातार टोकन न मिलने और मोबाइल फोन नहीं होने के कारण उसे भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

दुधली में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी बना ऐतिहासिक और अविस्मरणीय

एक भारत श्रेष्ठ भारत एवं विकसित भारत के निर्माण की दिशा में कदम

- विदाई समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, भव्य एवं वृहद आयोजन की सराहना की

रायपुर/ संवाददाता

भारत स्काउट गाइड द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से जिला मुख्यालय बालोद के समीपस्थ ग्राम दुधली में 9 जनवरी से 13 जनवरी तक आयोजित देश का प्रथम राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी का विशाल एवं भव्य आयोजन विभिन्न राज्यों के प्रतिभागी रोवर रेंजर, स्काउट गाइडों के साथ-साथ जंबूरी में शामिल सभी लोगों के लिए ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं यादगार बन गया। इस राष्ट्रीय जंबूरी का आयोजन धर्म, जाति, प्रांत, भाषा के भेद को मिटाकर समूचे भारत वर्ष को एकता के सूत्र में पिरोने के साथ-साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में भी अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है। इस भव्य एवं गरिमामय आयोजन का आज विदाई समारोह आयोजित किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जम्बूरी के विदाई समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, भारत स्काउट गाइड के राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त डॉ. के.के. खण्डेलवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री के.पी. मिश्रा, महासचिव श्री जी.पी.आर. सिंधिया, राज्य मुख्य आयुक्त श्री इन्द्रजीत सिंह खालसा, जिला मुख्य आयुक्त श्री राकेश यादव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री तोमन साहू, पूर्व विधायक श्री प्रीतम साहू एवं श्री वीरेन्द्र साहू, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि श्री चेमन देशमुख एवं श्री सौरभ लुनिया, श्री अभिषेक शुक्ला एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा भारत स्काउट गाइड की निदेशक श्रीमती दर्शना पावस्कर, कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन

अधिकारी श्री सुनील चंद्रवंशी और ग्राम पंचायत दुधली की सरपंच श्रीमती पिलेश्वरी नेताम भी विदाई समारोह में शामिल हुईं। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने विदाई समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह जंबूरी स्थल आज छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे देश के इतिहास में दर्ज हो गया है। यहां देश-विदेश से आए लगभग 15 हजार रोवर रेंजरों ने सहभागिता दर्ज कर भारत की एकता, विविधता और सांस्कृतिक समरसता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह आयोजन बदलते भारत, विकसित भारत और युवा शक्ति के उदय का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि ग्राम दुधली में जंबूरी का आयोजन युवा नेतृत्व निर्माण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। पाँच दिनों तक चले इस जंबूरी में युवाओं ने अनुशासन, सेवा, सहयोग, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व के जो अनुभव प्राप्त किए हैं, वे उनके जीवन की अमूल्य पूंजी हैं। यहाँ से जो ऊर्जा, संस्कार और आत्मविश्वास लेकर युवा लौट रहे हैं, वही भविष्य में राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला बनेगा। यह जंबूरी केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का सशक्त मंच सिद्ध हुआ है। श्री साव ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित होकर आगे बढ़ने की भी अपील की। उन्होंने राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती का उल्लेख करते उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आत्मसंयम, धैर्य, साहस और सेवा भाव से परिपूर्ण युवा ही समाज और राष्ट्र को नई दिशा दे सकता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि दुखी, असहाय और निराश युवा जीवन में आगे नहीं बढ़ सकता, जबकि मानसिक रूप से मजबूत और ऊर्जा से भरा युवा हर चुनौती का सामना करते हुए देश और समाज को आगे ले जाने की क्षमता रखता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे युवा साथी इस आयोजन के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को साकार करेंगे।

संपादकीय

एसआईआर पर क्या होना चाहिए, आम लोगों को पूरा मौका मिले

कई राजनीतिक विवाद और तारीखें बढ़ने के बाद आखिरकार यूपी में स्पेशल इंटेशिव रिविजन (एसआईआर) का ड्राफ्ट रोल जारी हो गया। चुनाव आयोग ने बताया है कि पहले चरण के बाद 2.89 करोड़ नाम काटे गए हैं इसका अंदाजा पहले से ही था। अभी तक जिन 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट लिस्ट आई है, वहां कुल मिलाकर 3.69 करोड़ नाम कटे हैं। ड्राफ्ट लिस्ट फाइनल नहीं होती। लोगों के पास दावे और आपत्तियों के लिए अब भी मौका है, लेकिन यह प्रक्रिया सरल और आम नागरिकों की सुविधा का ख्याल रखने वाली होनी चाहिए। पहले चरण में 2.89 करोड़ नाम कटे- बिहार में एसआईआर को अंजाम दिया गया था। वहां जारी शुरुआती लिस्ट में 65 लाख नाम कटे थे, जिसे लेकर काफी हंगामा मचा था। जब लिस्ट रिवाइज की गई, तो 17.9 लाख वोटर्स और बढ़ गए। ऐसा ही बदलाव यूपी और उन राज्यों में भी देखने को मिल सकता है, जहां आपत्तियां ली जा रही है या अब ली जाएंगी। चुनाव से जुड़ी जरूरी प्रक्रिया होने के बावजूद एसआईआर को लेकर कई विवाद चलते रहे हैं। दुर्भाग्य से दूसरे चरण में जिन राज्यों में ड्राफ्ट रोल आ चुका है, वहां भी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे। खासकर बंगाल में सबसे ज्यादा असंतोष है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अब एसआईआर में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर पर सवाल उठाए हैं। उनकी पार्टी टीएमसी उन वोटर्स की मैपिंग में भी गड़बड़ी बता रही है, जिनके नाम लिस्ट में नहीं हैं। चुनाव आयोग ने डेटा जारी कर बताया है कि इन नामों को किन-किन वजहों से काटा गया। यह स्पष्टीकरण अच्छी बात है, लेकिन जिनके नाम नहीं है, उन्हें उनके मताधिकार को हासिल करने के लिए हरसंभव मदद की जानी चाहिए। इसमें राजनीतिक दलों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे दावे-आपत्तियां दाखिल कराने, नाम चेक करने में आम लोगों की मदद करें। बिहार एसआईआर से जुड़े मुद्दों पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों की निष्क्रियता पर हैरानी जताई थी और पूछा था कि पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं व जनता के बीच इतनी दूरी क्यों है। लगभग 21 साल पहले हुए स्छक्र की यादें भी अब धुंधली है, क्योंकि तब इतना शोर नहीं मचा था। शायद इसकी वजह बदली राजनीतिक परिस्थितियां है।

फिलिस्तीन पर मुखरता, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर चुप्पी?

अंतरराष्ट्रीय संघर्षों पर सार्वजनिक हस्तियों की प्रतिक्रियाएं अक्सर मानवीय संवेदना के नाम पर आती हैं, लेकिन हालिया घटनाक्रम एक असहज सवाल खड़ा करता है। क्या मानवाधिकार की चिंता भी अब चयनात्मक हो गई है? इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप का आकलन है कि जब गाजा में इस्राइली सैन्य कार्रवाई के दौरान नागरिक हताहतों की खबरें आईं, तब भारतीय सेलिब्रिटी, विपक्षी नेता, पश्चिमी शहरों के मेयर और वैश्विक मंच सक्रिय दिखे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तक युद्धविराम की कोशिशों में उतरे। लेकिन अब, जब बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लक्षित हमलों, निर्दोषों की हत्याएं, मंदिरों में तोड़फोड़, घरों में आगजनी और नफरत फैलाने की घटनाओं की रिपोर्टें सामने हैं, वही मुखरता दुर्लभ क्यों है? इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप (आईसीजी) अपनी रिपोर्टों में बार-बार यह रेखांकित करता रहा है कि नागरिकों की सुरक्षा किसी भी संघर्ष या आंतरिक हिंसा का केंद्रीय प्रश्न होना चाहिए। जब मानवाधिकारों की भाषा भू-राजनीति, पहचान-राजनीति या वैश्विक ट्रेंड से संचालित होने लगती है, तब वह अधिकार नहीं, बल्कि चयनात्मक नैतिकता का रूप ले लेती है।

(डॉ. संजय पांडेय)

दक्षिण एशिया पर केंद्रित आईसीजी के विश्लेषण बताते हैं कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर यदि सामाजिक और सार्वजनिक चुप्पी रहती है तो वह हिंसा धीरे-धीरे सामान्यीकृत होने लगती है। यही वह बिंदु है जहां मौजूदा वैश्विक विमर्श पर सवाल खड़े होते हैं।

गाजा संघर्ष के दौरान अंतरराष्ट्रीय मीडिया, विश्वविद्यालय परिसरों, सामाजिक संगठनों और डिजिटल अभियानों में फिलिस्तीन का मुद्दा केंद्र में रहा। पश्चिमी मीडिया में नागरिक हताहतों की तस्वीरें, बच्चों और अस्पतालों पर हमलों की रिपोर्टें लगातार प्रसारित होती रहीं। इसी वैश्विक नैरेटिव का प्रभाव भारतीय सार्वजनिक विमर्श पर भी पड़ा।

राजनीतिक स्तर पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने नागरिक हत्याओं की निंदा की। अंतरराष्ट्रीय मंच पर न्यूयॉर्क के नए मेयर जोहरान ममदानी सहित कई निर्वाचित प्रतिनिधियों ने युद्धविराम की मांग को समर्थन दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कूटनीतिक मध्यस्थता की कोशिशें कीं और अस्थायी समझौतों की पहल हुई। यह सक्रियता इस बात का प्रमाण थी कि फिलिस्तीन का मुद्दा केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक मानवीय संकट के रूप में प्रस्तुत किया गया।

इसी अवधि में भारतीय फिल्म उद्योग और सेलिब्रिटी जगत का एक बड़ा वर्ग सोशल मीडिया पर अत्यंत सक्रिय दिखाई दिया। इंस्टाग्राम स्टोरी, एक्स पोस्ट और सार्वजनिक संदेशों के जरिए सीजफायर, स्टॉप किलिंग सिविलियंस और ह्यूमैनिटी फर्स्ट जैसे संदेश साझा किए गए।

ओपन-डोमेन रिकॉर्ड के अनुसार अभिनेत्री करीना कपूर खान ने गाजा में नागरिक हताहतों पर चिंता जताते हुए युद्ध रोकने से जुड़े संदेश साझा किए। करिश्मा कपूर ने फिलिस्तीन समर्थक अंतरराष्ट्रीय पोस्ट्स को री-शेयर किया। आलिया भट्ट ने युद्ध से प्रभावित बच्चों से जुड़े वैश्विक अभियानों को अपनी स्टोरी में साझा किया।इसी क्रम में सोनाक्षी सिन्हा, स्वरा भास्कर, दिया मिर्जा, नंदिता दास, रिचा चड्ढा, अनुभव सिन्हा, जोया अख्तर और फरहान अख्तर ने भी नागरिक सुरक्षा और युद्धविराम से जुड़े संदेश पोस्ट या री-पोस्ट किए।

मल्लिका दुआ और कुब्रा सैत ने अंतरराष्ट्रीय एक्टिविस्ट नेटवर्क से जुड़े अभियानों को साझा किया। मुख्यधारा के और लोकप्रिय नामों में दीपिका पादुकोण, कटरीना कैफ, सोनम कपूर, हुमा कुरैशी, रजा मुराद, इम्तियाज अली और विशाल ददलानी भी शामिल रहे, जिन्होंने मानवीय अपीलों या संयुक्त राष्ट्र से जुड़े संदर्भों को साझा किया।

इनमें से अधिकांश पोस्ट्स में यह स्पष्ट किया गया कि उनका पक्ष राजनीतिक नहीं, बल्कि मानवीय है। यही दावा इस पूरी बहस का केंद्रीय आधार भी बनता है।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक और हिंसा का पैटर्न

मानवाधिकार संगठनों, क्षेत्रीय मीडिया और आधिकारिक बयानों के अनुसार बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हालिया महीनों में लक्षित हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। पिछले एक सप्ताह के दौरान ही 7-8 हिंदू युवकों की खुलेआम उग्र भीड़ ने नृशंस हत्या कर दी। हिंदू विधवा महिलाओं से सामूहिक बलात्कार किए गए।

मंदिरों में व्यापक तोड़फोड़, घरों और दुकानों पर हमले, धमकियां और कुछ मामलों में पलायन की खबरें भी दर्ज की गई हैं।ऐसी घटनाओं को यदि केवल स्थानीय कानून-व्यवस्था की समस्या मान लिया जाए तो यह अल्पसंख्यक- विरोधी हिंसा की संरचनात्मक प्रकृति को नजरअंदाज करने जैसा होता है।

आईसीजी का स्पष्ट कहना है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ आवर्ती हिंसा लोकतांत्रिक ढांचे के लिए दीर्घकालिक खतरा बनती है।

वही मंच, वही चेहरे लेकिन अलग चुप्पी

यहीं से दोहरे मापदंड का प्रश्न जन्म लेता है। जिन सोशल मीडिया खातों से फिलिस्तीन के लिए भावनात्मक और नैतिक अपीलें की गई, उन्हीं खातों से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा के संदर्भ में वैसी ही स्पष्ट और संगठित प्रतिक्रिया दिखाई नहीं देती। न तो नागरिक सुरक्षा जैसे शब्द व्यापक रूप से उपयोग में आए, न ही अंतरराष्ट्रीय अभियानों की तरह समन्वित पोस्ट्स दिखीं। यह अंतर महज संयोग नहीं लगता, बल्कि एक पैटर्न का संकेत देता है।

पहचान-राजनीति, वैश्विक ट्रेंड और डर

सार्वजनिक हस्तियों की प्रतिक्रियाएं अब कई बार इस बात से तय होने लगी हैं कि कौन-सा मुद्दा वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य है। फिलिस्तीन का मुद्दा दशकों से पश्चिमी अकादमिक और सांस्कृतिक स्पेस में प्रमुख रहा है। इसके विपरीत दक्षिण एशिया में अल्पसंख्यकों पर हिंसा अक्सर क्षेत्रीय मामला कहकर सीमित कर दी जाती है।

कुछ विश्लेषक यह भी इंगित करते हैं कि मुस्लिम- बहुल देशों में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की आलोचना करने से कई सार्वजनिक हस्तियां इसलिए बचती हैं क्योंकि उन्हें इस्लामोफोबिया के आरोप का डर रहता है। नतीजतन, मानवाधिकार की सार्वभौमिक अवधारणा राजनीतिक सुविधा के अधीन हो जाती है। भारत सरकार ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर कूटनीतिक स्तर पर चिंता जताई है। लेकिन लोकतंत्र में केवल सरकारी बयान पर्याप्त नहीं होते। जिन सार्वजनिक हस्तियों के पास करोड़ों लोगों तक पहुंचने की क्षमता है, उनसे अपेक्षा होती है कि वे समान मानवीय मानकों पर प्रतिक्रिया दें। सार्वजनिक चुप्पी भी एक प्रकार का संदेश होती है, जो पीड़ित समुदायों के मनोबल को प्रभावित करती है और हमलावरों के हौसले बुलंद करती है।

सोशल मीडिया पैटर्न: संयोग नहीं, संरचना

सोशल मीडिया ट्रैकिंग के तुलनात्मक विश्लेषण से एक स्पष्ट अंतर उभरता है। फिलिस्तीन के मामले में पोस्ट्स अक्सर एक-दूसरे के समान समय पर, समान शब्दावली और अंतरराष्ट्रीय हैशटैग्स के साथ साझा किए गए। इसके विपरीत, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा के मामलों में वैसा कोई समयबद्ध या संगठित पैटर्न दिखाई नहीं देता। यह सेलेक्टिव एम्पैथी की श्रेणी में आता है,जहां आवाज की तीव्रता पीड़ा की गंभीरता से नहीं बल्कि उसकी वैश्विक स्वीकार्यता से तय होती है। यह रिपोर्ट किसी एक अभिनेता, अभिनेत्री या विचारधारा के विरुद्ध नहीं है। यह सवाल सार्वजनिक नैतिकता का है। फिलिस्तीन के लिए आवाज उठाना मानवता है, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा पर चुप्पी उसी मानवता की सबसे कठिन परीक्षा है। यदि मानवाधिकार चयनात्मक हो जाएं तो वे अधिकार नहीं, बल्कि राजनीतिक औजार बन जाते हैं।

आज का वैश्विक विमर्श इसी चौराहे पर खड़ा है,जहां यह तय होना बाकी है कि न्याय सार्वभौमिक रहेगा या पहचान-आधारित। इतिहास अंततः यह दर्ज करेगा कि किन पीड़ाओं को सुना गया और किन्हें बेपनाह दर्द में डूबी हुई खामोशी के हवाले कर दिया गया।यह लेखक के निजी विचार हैं।

सोमनाथ के शिखर पर फहराती ध्वजा गवाह है, आतंक अस्थाई है और आस्था शाश्वत

(विनोद पाठक)

इतिहास सिर्फ धूल भरी तिथियों का ढेर नहीं होता, यह उन जख्मों का लेखा-जोखा है, जो सभ्यताओं के चरित्र को तय करते हैं। आज जब हम वर्ष 2026 में सोमनाथ की दहलीज पर खड़े हैं तो समुद्र की लहरों में सिर्फ भक्ति का स्वर नहीं है, बल्कि एक हजार साल पुराना वह चीत्कार भी कहीं दबा हुआ है। जनवरी 1026 में जब महमूद गजनवी के घोड़ों की टापों ने प्रभास पाटन की पवित्र मिट्टी को रौंदा था, तब वह सिर्फ एक मंदिर की लूट नहीं थी। वह हमारी सामर्थ्य, हमारी एकता और हमारे आत्म-गौरव पर किया गया एक ऐसा प्रहार था, जिसका दाग धोने में हमें दस सदियां लग गईं। आज गजनवी इतिहास के कूड़ेदान में एक क्रूर आक्रांता के रूप में दर्ज है और सोमनाथ का शिखर बादलों को चूम रहा है, लेकिन इस भव्यता के बीच खुद से एक कड़वा सवाल पूछना जरूरी है, क्या हम वाकई बदल गए हैं या हम आज भी सिर्फ इतिहास के दोहराव का इंतजार कर रहे हैं?

10वीं-11वीं शताब्दी का भारत सोने की चिड़िया तो था, लेकिन वह चिड़िया अलग-अलग पिंजरों में बंद थी। हम टुकड़ों में बंटे थे, हम सामरिक रूप से अपाहिज थे। गजनवी ने भारत पर 17 बार आक्रमण किया और हर बार वह हमारी आपसी फूट की दरारों से रास्ता बनाकर अंदर घुसा। सबसे बड़ा दर्द यह नहीं कि उसने मंदिर तोड़ा, बल्कि यह है कि जब 50 हजार निहत्थे श्रद्धालु अपनी देह की दीवार बनाकर मंदिर बचा रहे थे, तब भारत के शक्तिशाली राजा अपनी सीमाओं के भीतर दुबके बैठे थे। गजनवी शिवलिंग को खंडित करके और अकूत संपदा ऊंटों पर लादकर ले गया, लेकिन उससे बड़ा बोझ वो हमारे मानस पर पराजित मानसिकता का छोड़ गया था। विगत 1000 वर्षों में हमने पत्थर तो जोड़ लिए, लेकिन क्या हमने अपनी उन कमियों को सुधारा? गजनवी के समय कोई केंद्रीय सुरक्षा नहीं थी। आज हम गर्व से कहते हैं कि हम परमाणु शक्ति हैं, हमारी सेनाएं विश्व में श्रेष्ठ हैं और खैबर दर्रे से अब किसी लुटेरे का आना नामुमकिन है, लेकिन आज का गजनवी दर्रों से नहीं, बल्कि डिजिटल नैरेटिव, वैचारिक कट्टरपंथ और आंतरिक फूट के रास्तों से घर के भीतर घुसने की कोशिश कर रहा है। आज भी जब बामियान में बुद्ध तोड़े जाते हैं या मध्य-पूर्व में प्राचीन विरासतें मलबे में तब्दील की जाती हैं तो यह अहसास होता है कि गजनवी मरा नहीं है, वह सिर्फ अपनी खाल बदलकर हमारे सामने खड़ा है। इतिहास का सबसे बड़ा विरोधाभास देखिए। स्वतंत्र भारत में जब सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया, तब भी कुछ बुद्धिजीवियों के पेट में दर्द हुआ था। नवंबर 1947 में प्रभास पाटन के तट पर खड़े होकर सरदार पटेल ने कहा था कि यह अपमान को मिटाने का कार्य है। लेकिन, दुःखद यह है कि आजादी के बाद भी दशकों तक हमें अपनी ही विरासत के लिए अदालतों और दलीलों का सहारा लेना पड़ा। आज जब हम राम मंदिर या काशी विश्वनाथ का कायाकल्प देखते हैं तो यह केवल ईंट-पत्थर का जुड़ना नहीं है, बल्कि उस सांस्कृतिक संप्रभुता की वापसी है, जिसे गजनवी जैसे लोग कुचलना चाहते थे। एक और चुभता हुआ सवाल, हमने कभी प्रतिशोध नहीं लिया, यह हमारी महानता है या हमारी कमजोरी? हमने अपने मंदिर बनाए, लेकिन किसी की इबादतगाह नहीं उजाड़ी। हमने वसुधैव कुटुंबकम को जिया, लेकिन क्या दुनिया ने हमारी इस उदारता का सम्मान किया? सोमनाथ का इतिहास चीख-चीख कर कहता है कि शांति केवल शक्ति के साये में ही पल सकती है। अगर आप सशक्त नहीं हैं तो आपका सत्य भी मलबे में दबा दिया जाएगा। महमूद गजनवी ने सोचा था कि उसने सोमनाथ का अंत कर दिया। वह बेवकूफ था। वह भूल गया था कि सोमनाथ का अर्थ है सोम (चंद्रमा) का नाथ। हमने अपने मंदिरों को फिर से गगनचुंबी बना लिया है। वर्ष 2026 की यह सहस्राब्दी सिर्फ विजय का उत्सव मनाने के लिए नहीं, बल्कि खुद को यह याद दिलाने के लिए है कि असावधानी की कीमत क्या होती है? सोमनाथ के शिखर पर फहराती ध्वजा गवाह है कि आतंक अस्थाई है और आस्था शाश्वत, लेकिन यह ध्वजा हमसे पूछ रही है कि क्या अगली बार किसी गजनवी के आने पर हम फिर से 50 हजार बलिदानों का इंतजार करेंगे या आज का सशक्त भारत उसे सीमा पर ही मिट्टी में मिला देगा?

दुनियाभर में अपना लट्ठ गाड़ने पर क्यों तुले हैं 'चौधरी' ट्रंप?

क्यूबा पर ट्रंप का बयान यह दिखाता है कि अमेरिका अब भी शीत युद्ध की मानसिकता से बाहर नहीं आया है। क्यूबा को कमजोर बताकर वह यह संकेत देना चाहते हैं कि वेनेजुएला से उसका आर्थिक सहारा टूट चुका है और अब दबाव डालने का सही समय है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर पूरी दुनिया को चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि क्यूबा आर्थिक रूप से टूटने के कगार पर है, ग्रीनलैंड अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है और अगर ईरान में सरकार ने जनता पर दमन तेज किया तो अमेरिका कड़ा जवाब देगा। यही नहीं वेनेजुएला की राजधानी पर अमेरिकी हमले को लेकर उन्होंने खुले तौर पर कहा कि हम ही प्रभारी हैं और यह अभियान शांति के लिए था।

(नीरज कुमार दुबे)

कोलंबिया को भी ट्रंप ने चेतावनी दी है और भारत को भी रूसी तेल खरीदने पर शुल्क बढ़ाने की धमकी दी है। देखा जाये तो ट्रंप के इन बयानों और कार्रवाइयों ने अमेरिका की आक्रामक विदेश नीति को फिर उजागर कर दिया है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र में भी वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई की वैधता पर बहस तेज हो गई है और दुनिया एक बार फिर दो ध्रुवों में बंटती दिख रही है।

अमेरिका यह दावा कर रहा है कि उसने अपराधी को पकड़ा है। लेकिन सवाल यह है कि अपराध तय करने का अधिकार किसने दिया। क्या दुनिया में केवल एक ही देश न्यायाधीश है। क्या लोकतंत्र की परिभाषा अब बंदूक की नली से तय होगी। अगर यही नियम है, तो कल किसी और देश की बारी भी आ सकती है। यह पूरा घटनाक्रम बताता है कि दुनिया एक खतरनाक मोड़ पर खड़ी है। जहां ताकतवर देश खुलेआम कमजोर देशों की सरकारें गिराने लगे हैं। आज मादुरो जेल में है। कल कोई और होगा। सवाल यह नहीं कि मादुरो सही था या गलत। सवाल यह है कि क्या दुनिया अब बंदूक के कानून से चलेगी। अगर इसका जवाब हां है, तो यह केवल वेनेजुएला की हार नहीं, बल्कि पूरी वैश्विक व्यवस्था की हार होगी।

यह भी साफ दिख रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति अब धमकी की भाषा बोल रही है। वह हर मंच से खुद को शांति दूत बताने की कोशिश करते हैं लेकिन उनके कदम लगातार युद्ध और हस्तक्षेप की ओर बढ़ते दिखते हैं। क्यूबा, कोलंबिया और ग्रीनलैंड को लेकर उनकी ताजा धमकियां उस सोच का हिस्सा हैं जिसमें अमेरिका खुद को पूरी दुनिया का निर्णायक मानता है।

क्यूबा पर ट्रंप का बयान यह दिखाता है कि अमेरिका अब भी शीत युद्ध की मानसिकता से बाहर नहीं आया है। क्यूबा को कमजोर बताकर वह यह संकेत देना चाहते हैं कि वेनेजुएला से उसका आर्थिक सहारा टूट चुका है और अब दबाव डालने का सही समय है। अमेरिका के लिए क्यूबा सिर्फ एक द्वीप नहीं बल्कि वैचारिक चुनौती रहा है। अगर अमेरिका क्यूबा पर सीधे हमले की कोशिश करता है तो यह लैटिन अमेरिका में भारी अस्थिरता ला सकता है। इससे अमेरिका विरोधी भावनाएं और तेज होंगी और रूस तथा चीन को दखल का नया मौका मिलेगा।

वहीं, ट्रंप का कोलंबिया को धमकी देना बताता है कि अमेरिका अब अपने पुराने सहयोगियों को भी नहीं बख्श रहा। वेनेजुएला प्रकरण के बाद लैटिन अमेरिका में हालात पहले ही तनावपूर्ण हैं। कई देश अमेरिकी दबाव से थक चुके हैं। वेनेजुएला पर हमले को क्षेत्र के कई देशों ने संप्रभुता पर हमला माना है। अमेरिका पहले भी चिली, निकारागुआ और पनामा जैसे देशों में दखल देता रहा है। कभी तख्तापलट के जरिए तो कभी आर्थिक प्रतिबंधों से। आज भी वही नीति नए शब्दों में लौट आई है।

दूसरी ओर, ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का बयान दरअसल आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को दिखाता है। ग्रीनलैंड अमेरिका के लिए सामरिक दृष्टि से अहम है। यहां से रूस और चीन की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। लेकिन किसी क्षेत्र को जरूरत बताकर हथियाने की सोच उपनिवेशवादी मानसिकता का उदाहरण है। अगर अमेरिका ग्रीनलैंड पर दबाव बढ़ाता है तो यह यूरोप और नाटो के भीतर भी दरार पैदा कर सकता है।

वहीं ईरान को लेकर ट्रंप की चेतावनी यह दिखाती है कि अमेरिका खुद को विश्व का पुलिसमैन मानता है। ईरान के आंतरिक मामलों में इस तरह की धमकी अंतरराष्ट्रीय कानून की अवहेलना है। यह संदेश दिया जा रहा है कि जो भी सरकार अमेरिका की लाइन से हटेगी उसे बल प्रयोग से सुधारा जाएगा। इससे पश्चिम एशिया में पहले से जारी तनाव और भड़क सकता है। रणनीतिक स्वायत्तता को चुनौती देती है और बताती है कि अमेरिका साझेदारी को बराबरी का नहीं बल्कि नियंत्रण का जरिया मानता है। हम आपको यह भी बता दें कि वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले को दुनिया ने अलग-अलग नजर से देखा है। वेनेजुएला का कहना है कि यह सीधी आक्रामकता है जबकि अमेरिका इसे शांति अभियान बता रहा है। वहीं संयुक्त राष्ट्र में इस कार्रवाई की वैधता पर सवाल उठे हैं। कई देशों ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कहा है। इस हमले ने दुनिया को दो हिस्सों में बांट दिया है। एक तरफ अमेरिका और उसके समर्थक हैं तो दूसरी तरफ वह देश हैं जो संप्रभुता और बहुपक्षीय व्यवस्था की बात कर रहे हैं। इसके अलावा, वेनेजुएला के बाद लैटिन अमेरिका में अमेरिका विरोधी भावना और मजबूत हुई है। लोग पूछ रहे हैं कि क्या अमेरिका आज भी मोनरो सिद्धांत के नाम पर पूरे महाद्वीप को अपना हिस्सा मानता है। ट्रंप ने खुद कहा कि यह हमारा गोलार्ध है। यह बयान साफ करता है कि अमेरिका अब भी क्षेत्रीय वर्चस्व की पुरानी सोच से बाहर नहीं निकला है। यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि जो नेता रोज शांति की बात करता है और नोबेल शांति पुरस्कार पर अपना दावा करता है वही युद्ध क्यों छेड़ता जा रहा है? इसका जवाब ट्रंप की घरेलू राजनीति में छिपा है। दरअसल आक्रामक राष्ट्रवाद उनके समर्थकों को जोश देता है। हर नया टकराव उन्हें मजबूत नेता के रूप में पेश करता है। शांति उनके लिए लक्ष्य नहीं बल्कि नारा है। बहरहाल, डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति आज धमकी, दबाव और बल प्रयोग का मिश्रण बन चुकी है। क्यूबा, कोलंबिया, ग्रीनलैंड, ईरान, भारत और वेनेजुएला सभी इस नीति के अलग-अलग शिकार हैं। यह रवैया दुनिया को सुरक्षित नहीं बल्कि और अस्थिर बना रहा है। अगर यही सिलसिला चला तो अमेरिका खुद को अलग थलग पाएगा और वैश्विक व्यवस्था और कमजोर होगी। शांति की बात करने वाले हाथों में जब मिसाइल हो तो दुनिया को सतर्क हो जाना चाहिए।

कलेक्टर ने किया उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉक्टर और शिक्षक को सम्मानित

आपातकालीन सर्जरी से युवक का जीवन बचाने वाले डॉ. आदित्य एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए शिक्षक लीलाधर सम्मानित

नारायणपुर। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर नम्रता जैन द्वारा उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले डॉक्टर एवं शिक्षक को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर आदित्य केक्ती तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवगांव के शिक्षक लीलाधर चौरका को उनके सराहनीय कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र, शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। ग्राम सीतापाल में घटित एक गंभीर दुर्घटना में 32 वर्षीय युवक पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिससे उसके जननांग में अत्यंत गंभीर चोट आई और अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। परिजनों द्वारा तत्काल घायल को जिला अस्पताल लाया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आपातकालीन सर्जरी का निर्णय लिया गया। सूचना मिलते ही सर्जन डॉ. आदित्य केक्ती देर रात अस्पताल पहुंचे और तुरंत ऑपरेशन प्रारंभ किया। सर्जरी के दौरान क्षतिग्रस्त

ऊतकों की सूक्ष्म मरम्मत कर रक्तस्राव को नियंत्रित किया गया तथा दोनों वृषणों को सुरक्षित रखते हुए उनकी कार्यक्षमता को बचाया गया। चिकित्सक डॉ. विनोद भोयर ने बताया कि समय पर शल्य चिकित्सा नहीं होती तो युवक को स्थायी क्षति हो सकती थी। वर्तमान में घायल की स्थिति स्थिर है और वह चिकित्सकीय निगरानी में है। जिला अस्पताल की तत्परता एवं चिकित्सकों की दक्षता से एक युवक का जीवन और भविष्य सुरक्षित हो सका।

शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए शिक्षक लीलाधर चौरका सम्मानित

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवगांव में पदस्थ व्याख्याता एल.बी. लीलाधर चौरका को शैक्षणिक उपलब्धियों एवं विद्यालयीन कार्यों के उत्कृष्ट निर्वहन के लिए सम्मानित किया गया। उनकी प्रथम नियुक्ति 11 अक्टूबर 2011 को हुई थी। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय का परीक्षा परिणाम अत्यंत उत्कृष्ट रहा, जिसमें सत्र 2023-24 एवं 2024-25 में कक्षा 12वीं में परिणाम 100 प्रतिशत तथा सत्र 2023-24 में कक्षा 10वीं का परिणाम 93 प्रतिशत रहा। चौरका द्वारा विद्यालयीन कार्यालयीन कार्य, लेखन एवं दस्तावेजीकरण, छात्र प्रवेश एवं स्थानांतरण, बोर्ड परीक्षा तथा आय-व्यय से संबंधित दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया जा रहा है। इसके साथ ही वे शाला परिसर में बागवानी एवं वृक्षारोपण, पालकों एवं ग्रामीणों से सतत संवाद तथा शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के माध्यम से विद्यालय की समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। संस्था प्रमुख द्वारा उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें समयनिष्ठ, अनुशासित एवं विद्यार्थियों व स्टाफके साथ बेहतर तालमेल रखने वाला शिक्षक बताया गया। कलेक्टर नम्रता जैन ने दोनों सम्मानित व्यक्तियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे समर्पित चिकित्सक और शिक्षक समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और इनके कार्यों से जिले की सकारात्मक छवि सुदृढ़ होती है। उन्होंने यह भी कहा कि जिला प्रशासन द्वारा आगे भी ऐसे उत्कृष्ट कार्य करने वाले सेवकों को सम्मानित किया जाएगा।

बस्तर पंडुम और गणतंत्र दिवस की तैयारियां मिशन मोड में करें: कलेक्टर ध्रुव

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

दंतेवाड़ा। संयुक्त जिला कार्यालय के डंकनी सभाकक्ष में कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में आगामी बस्तर पंडुम एवं गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने दोनों आयोजनों को जिले की संस्कृति, गौरव और जनभागीदारी से जुड़े प्रमुख कार्यक्रम बताते हुए सभी विभागों को समयबद्ध एवं उच्च-गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि बस्तर पंडुम 16 एवं 17 जनवरी से ब्लॉक स्तरीय आयोजन के साथ प्रारंभ होगा। यह उत्सव आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और जीवन शैली को नई पहचान देने वाला महोत्सव है, इसलिए तैयारियाँ मिशन मोड में की जाएँ। पंडुम के तीन स्तर ब्लॉक, जिला एवं संभाग किए गए हैं। महोत्सव में कुल 12 विधाएँ शामिल रहेंगी, जिनमें पारंपरिक कला, आदिवासी शिल्प, लोक-नृत्य, संगीत, जनजातीय व्यंजन, बोली-भाषा, पारंपरिक वेशभूषा, आभूषण, वाद्य-यंत्र एवं जनजातीय जीवन शैली की विशिष्ट झलकियाँ शामिल होंगी। उन्होंने अधिकतम प्रतिभागियों का पंजीयन सुनिश्चित करने और सभी व्यवस्थाएं पहले से सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि यह राष्ट्रीय महत्व का आयोजन है, इसलिए सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मंच व्यवस्थाएँ तथा अन्य सभी विभागीय दायित्व समयबद्ध एवं समन्वित रूप से पूरे किए जाएँ। अंत में कलेक्टर ने विभागवार लंबित प्रकरणों एवं कार्यों की साप्ताहिक समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रगति तेज करने, समय-सीमा का कड़ाई से पालन करने और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

फरसगांव डबल मर्डर की गुत्थी सुलझाने के लिए कलार समाज ने किया एसडीओपी, टीआई व पत्रकारों का सम्मान

केशकाल। बीते दिनों फरसगांव में मां और 3 वर्षीय मासूम बच्चे के डबल मर्डर जैसे संवेदनशील मामले में गंभीरतापूर्वक लेते हुए त्वरित कार्यवाही कर अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने व सभी दोषियों को तत्काल गिरफ्तार करने के लिए फरसगांव एसडीओपी अभिनव उपाध्याय एवं थाना प्रभारी विकास रॉय को धन्यवाद देते हुए स्मृति चिन्ह व शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही समाचार के माध्यम से शासन प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाने एवं पीड़ित परिवार को न्याय दिलवाने में मीडिया के माध्यम से योगदान देने के लिए कोंडागांव कलार समाज के भवन में सामाजिक पदाधिकारियों के द्वारा प्रकाश नाग, नीरज उपाध्याय को शॉल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान कलार समाज कोंडागांव के जिलाध्यक्ष समेत पदाधिकारी व पीड़ित परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

फरसगांव एसडीओपी अभिनव उपाध्याय ने बताया कि इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाना हमारे लिए आसान काम नहीं था। जिस प्रकार से अपराधियों ने बड़े ही शातिराना तरीके से इस डबल मर्डर की वारदात को अंजाम दिया और सारे सबूत मिटाने का हर संभव प्रयास किया था। लेकिन कोंडागांव एसपी पंकज चन्द्रा व एडिशनल एसपी कौशलेंद्र देव पटेल के मार्गदर्शन में फरसगांव पुलिस व सायबर सेल की जांबाज टीम ने बहुत ही गहनता से केस को समझा और मुख्य आरोपी रोहित सेठिया समेत कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। खास तौर पर ओड़िसा वन विभाग के अधिकारियों का भी हमें भरपूर सहयोग मिला। फरसगांव पुलिस इस इस तरह के आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

इस दौरान कलार समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि जिस प्रकार से फरसगांव एसडीओपी व टीआई ने इस मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित कार्यवाही किया। घटना से जुड़े प्रत्येक पहलू की बारीकी से छानबीन करते हुए पहले मृतिका और बच्चे की लाश बरामद की गई। ततपश्चात कड़ी मशक्कत कर के आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही के लिए पुलिस विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। खास तौर पर सम्पूर्ण कार्यवाही में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए परिवार के सदस्यों को भी साथ रखा गया। इसके लिए कलार समाज सदैव पुलिस विभाग का आभारी रहेगा। हम पीड़ित परिवार को न्याय दिलवाने के लिए कोंडागांव एसपी, एडिशनल एसपी, एसडीओपी व थाना प्रभारी को धन्यवाद देते हैं।

अबूझमाड़ में मानवता की मिसाल, आईटीबीपी के सहयोग से आदिवासी महिला का हुआ सुरक्षित प्रसव

डोडीमरका कैम्प में आईटीबीपी और स्वास्थ्य अमले ने कराया सफल प्रसव

नारायणपुर। अबूझमाड़ क्षेत्र के दुर्गम इलाके में मानवता की मिसाल पेश करते हुए भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल आईटीबीपी ने एक गर्भवती आदिवासी महिला के सुरक्षित प्रसव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह सराहनीय घटना ग्राम पद्मेटा, पंचायत लंका अबूझमाड़ क्षेत्र ओरछा की है। प्रसव पीड़ा होने पर संबंधित आदिवासी महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी की एंबुलेंस से ओरछा ले जाया जा रहा था, किंतु अत्यंत खराब सड़क स्थिति एवं आपात परिस्थितियों के कारण लगभग 42 किलोमीटर दूर स्थित सीएचसी ओरछा तक पहुंचना संभव नहीं हो सका। ऐसी विषम परिस्थिति में सीएचसी के चिकित्सा स्टाफ द्वारा डोडीमरका स्थित आईटीबीपी कैंप से सहायता का अनुरोध किया गया। सूचना मिलते ही आईटीबीपी कैंप के

कंपनी कमांडर सहायक कमांडेंट रविंदर गुलेरिया ने बिना विलंब के आवश्यक निर्देश देते हुए उपलब्ध मेडिकल स्टाफएवं जवानों को त्वरित रूप से सक्रिय किया। आईटीबीपी द्वारा तत्काल एक अलग टेंट स्थापित कर उसमें प्रसव हेतु बिस्तर, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, गर्म पानी एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। सीएचसी की एंबुलेंस से पहुंची महिला चिकित्साकर्मियों एवं नर्सिंग स्टाफ के सहयोग से डोडीमरका कैंप में ही सुरक्षित एवं सफल प्रसव कराया गया। पूरे प्रसव काल के दौरान आईटीबीपी बल द्वारा हर संभव सहयोग और सहायता प्रदान की गई। सफल प्रसव के उपरांत कैंप परिसर में खुशी एवं उत्साह का वातावरण रहा। सीएचसी के चिकित्सा स्टाफ ने आईटीबीपी बल की तत्परता, मानवीय संवेदना तथा निस्वार्थ सहयोग की भूरी-भूरी प्रशंसा की। यह घटना दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में तैनात सुरक्षा बलों की जनसेवा भावना एवं मानवता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रेरणादायी उदाहरण है, जो न केवल सुरक्षा बल्कि सामाजिक सरोकारों में भी उनकी सक्रिय भूमिका को दर्शाती है।

विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत राजनैतिक दलों की बैठक आयोजित

नारायणपुर। निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत राजनैतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान एसआईआर 2026 अंतर्गत नोटिस जारी करने, दावा-आपत्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा प्रगति की जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले भारत के नागरिक, अथवा जिनका नाम किसी कारणवश ड्राफ्ट मतदाता सूची में छूट गया है, वे फार्म-06 के माध्यम से घोषणा पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत कर अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। बैठक में राजनैतिक दलों को तृतीय साप्ताहिक प्रगति से अवगत कराया गया। इसके साथ ही फार्म-7, फार्म-8, फार्म-9, फार्म-

10, फार्म-11, फार्म-11ए एवं फार्म-11बी की विस्तृत जानकारी देते हुए उनके प्रारूपों की प्रतियां राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई। अधिकारियों ने राजनैतिक दलों से आग्रह किया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के पश्चात उसका अवलोकन एवं परीक्षण अवश्य करें तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि या अशुद्धि पाए जाने पर निर्धारित प्रारूप एवं माध्यम से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सूची को शुद्ध कराएं। प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में सक्रिय सहयोग प्रदान करने की अपील की गई, ताकि जिले में शुद्ध, त्रुटिरहित एवं अद्यतन मतदाता सूची तैयार की जा सके।

किरंदुल खदान को ओवर ऑल प्राईज केटेगरी–ए में द्वितीय पुरस्कार

किरंदुल। इंडियन ब्यूरो आफ माइन्स, रायपुर (छ.ग.) द्वारा 9वां खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह-2025-26 के समापन व पुरस्कार वितरण समारोह मायरा रिसोर्ट, आरंग रोड, रायपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में प्रदेश की लगभग 70 विभिन्न खदानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंकज कुलश्रेष्ठ, महानियंत्रक, इंडियन ब्यूरो ऑफ माइन्स, नागपुर उपस्थित थे। कार्यक्रम में किरंदुल कॉम्प्लेक्स की बीआईओएम निक्षेप-14 एमएल को व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक विकास तृतीय पुरस्कार, सतत विकास द्वितीय पुरस्कार, प्रचार एवं प्रसार द्वितीय पुरस्कार, निक्षेप-14 एनएमजेड को अपशिष्ट प्रबंधन द्वितीय पुरस्कार, पर्यावरण निगरानी प्रथम पुरस्कार तथा निक्षेप-11 एमएल को वनरोपण द्वितीय पुरस्कार, खनिज संरक्षण द्वितीय पुरस्कार एवं निक्षेप-14

एमएल खदान को ओवर ऑल प्राईज केटेगरी-ए हेतु द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मुख्य अतिथि के करकमलों से परियोजना की ओर से संजय कोचर, महाप्रबंधक (खनन)/खान प्रबंधक, एस.के.पांडे, उप महाप्रबंधक (सिविल), सुशांत रामटेके, उप महाप्रबंधक (खनन), अवनीश शर्मा, उप महाप्रबंधक (पर्यावरण), सुधीर गायकवाड़, वरि. प्रबंधक (भू-विज्ञान) ने ग्रहण किए। परियोजना में परियोजना प्रमुख रवीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक को उपरोक्त पुरस्कार सौंपे गए। पुरस्कार प्राप्त होने पर परियोजना प्रमुख ने सभी को हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर के.पी.सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन), संजय कोचर, महाप्रबंधक(खनन)/खान प्रबंधक, अवनीश शर्मा, उप महाप्रबंधक (पर्यावरण) उपस्थित थे।

वन विभाग द्वारा कुरुषनार में बाघ गणना कार्यशाला आयोजित

नारायणपुर। वन विभाग द्वारा 12 जनवरी को कुरुषनार में प्रशिक्षण एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अखिल भारतीय बाघ गणना के अंतर्गत ट्रेल एवं ट्रांसेक्ट सर्वे की विधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला में प्रतिभागियों को M-StriPES इकोलॉजिकल मोबाइल ऐप के प्रभावी उपयोग, फील्ड से डेटा कलेक्शन, जीपीएस लोकेशन रिकॉर्डिंग तथा वैज्ञानिक पद्धति से सूचनाओं के संकलन की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विशेषज्ञों द्वारा सर्वे के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों एवं मानकों की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य फील्ड स्तर पर कार्यरत अमले की तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ करना तथा बाघ गणना को अधिक सटीक, पारदर्शी एवं वैज्ञानिक बनाना रहा। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं संबंधित स्टाफ उपस्थित रहे।

लॉ की छात्रा मिताली वर्मा द्वारा किरन्दुल के विद्यालयों में दी गई कानूनी जानकारी

किरंदुल। लॉ की छात्रा मिताली वर्मा द्वारा शासकीय विद्यालय, गजराज कैंप एवं किरंदुल सहित आसपास के अन्य शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए कानूनी जागरूकता कक्षा का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को उनके अधिकारों, कर्त्तव्यों एवं सामान्य कानूनी जानकारी से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।विद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकों ने इस पहल की सराहना की।

दो दिवसीय वार्षिक गोंडवाना सामाजिक मिलन समारोह का रंगारंग आयोजन

जगदलपुर। गोंडवाना समाज समन्वय समिति जिला बस्तर के द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दो दिवसीय वार्षिक गोंडवाना सामाजिक मिलन समारोह का आयोजन गोंडवाना समाज भवन,वर्गीस कॉलोनी धरमपुरा जगदलपुर में शनिवार को बुढ़ाल पेन की पारम्परिक सेवा अर्जी के साथ प्रारंभ हुआ। आयोजन के प्रथम दिवस में महिला प्रभाग के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के द्वारा विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से चित्रकला, निबंध, लेखन, क्विज़ रंगोली, एकल युगल सामूहिक नृत्य, गायन एवं महिलाओं के लिए विशेष रूप से दोना पत्तल सिलने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को आयोजन के द्वितीय दिवस रविवार को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम् विशिष्ट अतिथियों के द्वारा सम्मानित कर प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। आयोजन के समापन दिवस पर कार्यक्रम के मुख्य

अतिथि के रूप में तिरुमाल अरविंद नेताम पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में तिरुमाल सुनहेर सिंह नाग संभागीय अध्यक्ष गोंडवाना समाज समन्वय समिति बस्तर संभाग, एस एस कोरेटी संरक्षक गोंडवाना समाज बस्तर जिला, अति विशिष्ट अतिथि के रूप में तिरुमाल संग्राम सिंह राणा वार्ड पार्षद गुरुगोविंद सिंह वार्ड शामिल रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष नकुल सिंह सेवता ने की। सेवता ने स्वागत भाषण में समाज संगठन द्वारा किए जा रहे सामाजिक सांस्कृतिक संवैधानिक धार्मिक आर्थिक शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी और भविष्य में गोंडी भाषा संस्कृति के लिए गोंडी विद्यापीठ पथरागुड़ा जगदलपुर में संचालित करने की बात कही। इस अवसर पर गोंडवाना समाज की इतिहास संस्कृति रीति रिवाज भाषा बोली पर वक्ताओं ने बाते कहीं। मुख्य अतिथि अरविंद नेताम ने कहा कि आदिवासी समाज को अपनी संस्कृति को संरक्षित संवर्धित करते हुए संविधान में प्रावधानित अधिकारों की रक्षा कितना जरूरी है और भविष्य में समाज को सजग रहते हुए संघर्ष करने की ओर आगाह किया। उन्होंने कहा कि इस देश में आदिवासियों को बिना संघर्ष कुछ भी हासिल नहीं हुआ है लेकिन संघर्ष कभी बंद नहीं होना चाहिए। पेसा वनाधिकार कानून के प्रावधानों से ग्रामसभाओं को स्व शासन का अधिकार दिया गया है लेकिन धरातल में आज भी यह अधिकार प्राप्त नहीं हुआ है। वहीं विशिष्ट अतिथि सुनहेर सिंह नाग संभागीय अध्यक्ष ने कहा कि गोंडवाना समाज समन्वय समिति का गठन ही गोंड समुदाय की केंद्र राज्य सरकार की सूची में सरल क्रमांक 16 में सूचीबद्ध 22 उपजातियों को एक सूत्र में रखकर एकता स्थापित करने की रही है। नाग ने बल देते हुए कहा कि समाज की संस्कृति को संरक्षित करते हुए आधुनिक विकास के दौर में आगे बढ़ना है लेकिन अपनी भाषा बोली संस्कृति को नहीं भूलना है। कार्यक्रम के बीज वक्ता के रूप में ललित नरेटी जी के द्वारा टंडा मंडा कुंडा नेग के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए इसकी वैज्ञानिक सामाजिक समाजशास्त्री आधार पर व्याख्या करते हुए बताया कि गोंड समुदाय की व्यवस्थाएं उन्नत और प्राकृतिक व्यवस्थाओं के करीब के साथ ही साथ वैज्ञानिक आधार पर भी सही है। तिरुमाल नरेटी ने बताया कि गोंड समुदाय में मामा फूफू की बेटी से विवाह करने की परम्परा का समाजशास्त्रीय एवं वैज्ञानिक आधार को परिभाषित किया गया। साथ ही उन्होंने समुदाय के कालेज स्टूडेंट्स को गोंड समुदाय की परंपराओं पर पीएचडी करने का आह्वान किए। समुदाय को राजनीति में कैसे भागीदारी करनी चाहिए इस पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद वार्ड के पार्षद संग्राम सिंह राणा ने उपस्थित जन समुदाय को सेवा जोहार से अभिवादन करते हुए कहा कि गोंडवाना और गोंड इस देश की जीवंत इतिहास समुदाय है। इस समुदाय ने दो सौ सालों तक मध्य भारत में राज चलाए और कई स्वतंत्रता सेनानी दिए हैं। इन महा पुरुषों की इतिहास से ही समाज को आगे बढ़ाना चाहिए। राणा जी ने कहा कि मेरे द्वारा समाज की विकास के लिए एक जनप्रतिनिधि के रूप में जो भी संभव होगा उसके लिए वे हमेशा सहयोग करेंगे।

शासकीय आईटीआई दंतेवाड़ा में नि:शुल्क तकनीकी प्रशिक्षण, प्रवेश प्रक्रिया मई, जून 2026 तक आमंत्रित

दंतेवाड़ा। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) दंतेवाड़ा में कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (सीओपीए), मैकेनिक डीजल तथा वेल्डर ट्रेड संचालित हैं। ये सभी प्रशिक्षण एक वर्षीय तथा पूर्णतः निःशुल्क हैं। प्रवेश प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से संस्था द्वारा विभिन्न विद्यालयों में संपर्क अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रवेश सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन विभाग द्वारा मई, जून 2026 में आमंत्रित किए जाएंगे। इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी, जो 10वीं उत्तीर्ण हैं, तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर हासिल कर सकते हैं। इसकी अधिक जानकारी एवं मार्गदर्शन हेतु इच्छुक उम्मीदवार शासकीय आईटीआई दंतेवाड़ा से संपर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जीवनदीप समिति की बैठक 15 जनवरी को

बिलासपुर। राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी के जीवनदीप समिति की बैठक संभागायुक्त श्री सुनील जैन की अध्यक्षता में 15 जनवरी को दोपहर 12 बजे से राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी के सभाकक्ष में होगी। बैठक में संबंधित अधिकारियों को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए है।

जिला स्तरीय सतर्कता मॉनिटरिंग समिति की बैठक 15 जनवरी को

बिलासपुर। जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में 15 जनवरी को शाम 4 बजे आयोजित की गई है। बैठक में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत वर्ष 2025-26 में दर्ज प्रकरणों के निराकरण (स्वीकृत राशि/वितरित राशि) की स्थिति पर एवं अधिनियम के तहत न्यायालय में लंबित प्रकरणों पर चर्चा की जाएगी।

राशन दुकान खोलने 22 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित

बिलासपुर। मस्तुरी विकासखण्ड के ग्राम रिस्दा में राशन दुकान खोलने के लिए 22 जनवरी 2026 तक आवेदन आमंत्रित किये गये है। इच्छुक आवेदक अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कार्यालय मस्तुरी के खाद्य शाखा में उक्त तिथि तक बंद लिफाफे में शाम 5 बजे तक आवेदन दे सकते है। आवेदन के लिए ग्राम पंचायत, महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समिति, अन्य सहकारी समितियां, लेम्प समितियां और वन सुरक्षा समितियां पात्रता रखते है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

अनवर ढेबर, अनिल टूटेजा समेत चार को मिली जमानत

बिलासपुर। बिलासपुर हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग घोटाला केस में अनवर ढेबर और रिटायर्ड आईएएस अफसर अनिल टुटेजा को जमानत दे दी है, साथ ही शराब घोटाला मामले में मुकेश मनचंदा और अतुल सिंह को भी जमानत दी गई है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में कस्टम मिलिंग घोटाले में 140 करोड़ रुपए से ज्यादा की अवैध वसूली की गई है, इसमें अफसर से लेकर मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी तक शामिल हैं। अलग-अलग राइस मिलर्स के द्वारा नागरिक आपूर्ति निगम और एफसीआई में कस्टम मिलिंग का चावल जमा किया जाता रहा। इस घोटाले में अनवर ढेबर और अनिल टुटेजा को अरोपी बनाए गए हैं और दोनों के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने मामला दर्ज कर कोर्ट में चालान पेश किया था। इसके बाद दोनों को जेल दाखिल किया गया था। अब हाईकोर्ट से दोनों को जमानत मिल गई है। ईओडब्ल्यू ने बताया था कि फरवरी 2025 में रोशन चंद्राकर और मनोज सोनी के खिलाफ ईओडब्ल्यू द्वारा कस्टम मिलिंग घोटाले में पहला चालान प्रस्तुत किया गया था। अनिल टुटेजा द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश राइस मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी के साथ शुरू से आपराधिक षड्यंत्र होता रहा। कस्टम मिलिंग में राइस मिलों से अवैध वसूली की गई थी। वहीं अनवर ढेबर के ठिकानों पर आयकर विभाग के छापे के दौरान प्राप्त डिजिटल साक्ष्य से इस बात के प्रमाण मिले थे कि वह न केवल शराब घोटाला बल्कि तत्कालीन सरकार के समय अन्य महत्वपूर्ण विभाग जैसे पीडब्ल्यूडी वन विभाग में भी प्रभाव रखते थे। अनवर ढेबर द्वारा कस्टम मिलिंग घोटाला में अनिल टुटेजा के लिए राइस मिलों से की गई अवैध वसूली का संग्रहण व्यय निवेश और उपभोग किया गया है।

स्काउट-गाइड अध्यक्ष पद से हटाने का मामला हाईकोर्ट पहुंचा, शासन को नोटिस

बिलासपुर। भारत स्काउट-गाइड के राज्य परिषद अध्यक्ष पद से हटाए जाने के फैसले को चुनौती देते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल द्वारा दायर याचिका पर मंगलवार को बिलासपुर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने इस मामले में राज्य शासन को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने शासन से पूरे प्रकरण पर अपना पक्ष स्पष्ट करने को कहा है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 12 फरवरी निर्धारित की है। फिलहाल इस प्रकरण में कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं किया गया है। याचिका में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि उन्हें अध्यक्ष पद से हटाने का प्रस्ताव असंवैधानिक और एकतरफा है। उनका कहना है कि न तो उन्हें इस संबंध में कोई पूर्व सूचना दी गई और न ही अपना पक्ष रखने या सुनवाई का अवसर दिया गया, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि सांसद होने के साथ-साथ वे भारत स्काउट-गाइड राज्य परिषद के वैधानिक अध्यक्ष हैं। इसी हैसियत से उन्होंने 5 जनवरी को जंबूरी आयोजन से संबंधित बैठक बुलाई थी।

दिशा की बैठक में केंद्रीय योजनाओं की गहन समीक्षा

धरातल पर दिखे योजनाओं का लाभ,सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं-तोखन साहू....

■ केंद्रीय राज्यमंत्री की अध्यक्षता में दिशा की बैठक संपन्न

बिलासपुर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आज यहां जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में केन्द्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री और सांसद श्री तोखन साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में फ्लैगशिप योजनाओं सहित जिले में संचालित विकास योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 122 गांवों की विकास परियोजनाओं एवं अरपा भैंसाझार परियोजना सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में विधायक सर्व श्री धरम लाल कौशिक, सुशांत शुक्ला, दिलीप लहरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, महापौर श्रीमती पूजा विधानी सहित जनपद एवं नगर पंचायत के अध्यक्ष एवं अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि सरकार की मंशानुरूप पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो। धरातल पर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन नजर आएं। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं में किसी भी तरह की गड़बड़ी और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं श्री तोखन साहू ने मनरेगा के लंबित कार्यों, मजदूरी भुगतान, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण एवं आंगनबाड़ी भवनों के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लक्ष्य के अनुरूप आवास निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने आवास योजना में अनियमितताओं की शिकायतों पर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। लेन-देन पर सख्त रोक लगाने, आवास मित्रों के मानदेय से जुड़े मामलों की जांच तथा गड़बड़ी पाए जाने पर वसूली के निर्देश भी दिए गए। श्री शुक्ला ने मनरेगा कार्यों में जल संरक्षण को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। उन्होंने एम.आई. टैंक, वेटलैंड संरक्षण तथा शासकीय तालाबों के पुनर्जीवन पर विशेष फोकस करने की बात कही। गर्मी के मौसम में होने वाली पेयजल समस्या के निराकरण के लिए योजना बनाने पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने जल संरक्षण और वृक्षारोपण के लिए ठोस एवं गहन योजना बनाकर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक और प्रेरित किया जा सकता है।

भारतीय रेल के इतिहास में नया कीर्तिमान रचाा

■ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल ने 288 दिनों में 150 मिलियन टन माल लोडिंग कर रचा इतिहास

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि वह भारतीय रेल की माल परिवहन व्यवस्था की मजबूत रीढ़ है। मंडल ने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में 13 जनवरी 2026 तक मात्र 288 दिनों में 150 मिलियन टन से अधिक माल लोडिंग कर भारतीय रेल के इतिहास में अब तक का सबसे तेज और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज करते हुए नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। अब तक यह रिकॉर्ड धनबाद मंडल के नाम था, जिसने 289 दिनों में 150 मिलियन टन माल ढुलाई का लक्ष्य प्राप्त किया था। वहीं, बिलासपुर मंडल का स्वयं का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 295 दिनों में 150 मिलियन टन माल लोडिंग का था, जिसे विगत वित्तीय वर्ष में हासिल किया गया था। इस वर्ष बिलासपुर मंडल ने इन सभी उपलब्धियों को पीछे छोड़ते हुए सबसे कम समय में 150 मिलियन टन माल लोडिंग पूरी कर भारतीय रेल का प्रथम मंडल बनने का गौरव प्राप्त किया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि मंडल के सभी विभागों के उत्कृष्ट समन्वय, निरंतर प्रयास और कर्मठता का परिणाम है। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने मंडल के सभी रेल कर्मयोगियों, लोको पायलटों, वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के कर्मचारियों सहित सभी सहयोगी विभागों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

कल्याण भवन में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

स्वस्थ दिन-चर्या ही स्वास्थ्य की कुंजी - श्री ए.के. अम्बस्ट

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड बिलासपुर क्षेत्र एवं अपोलो हास्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में एक-दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण एवं विषेशज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श शिविर का आयोजन तिफरा स्थित कल्याण भवन में किया गया। इस शिविर में अपोलो हास्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ श्री डॉ. अभिशेक कौशले, न्यूरोलॉजी विशेषज्ञ श्री डॉ. अविनाश गुप्ता, जनरल मेडिसिन श्री डॉ. मंदार गोकाटे, किडनी रोग विशेषज्ञ श्री डॉ. विनय कुमार एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शंभवी श्रीवास्तव द्वारा पॉवर कंपनी के 80 से अधिक अधिकारी, कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हे परामर्श दिया गया। इस अवसर पर बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. अम्बस्ट ने अपोलो अस्पताल के चिकित्सकों एवं उनकी पूरी टीम को शिविर के आयोजन हेतु धन्यवाद दिया। साथ ही पॉवर कंपनी के उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वस्थ दिन-चर्या का पालन करने तथा विशेषज्ञों के सुझावों का पालन करने का आह्वान किया।

बिलासपुर सेंट्रल जेल में हेपेटाइटिस जांच शिविर 200 कैदियों की हुई स्क्रीनिंग......

बिलासपुर। राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा केन्द्रीय जेल में कैदियों के लिए सघन स्वास्थ्य परीक्षण एवं हेपेटाइटिस जांच शिविर का आयोजन किया गया ।सीएमएचओ डॉ. शुभा गरेवाल के निर्देशन में आयोजित शिविर में 200 कैदियों की हेपेटाइटिस बी एवं हेपेटाइटिस । सी की जांच की गई। केंद्रीय जेल में आयोजित शिविर में जांच प्रक्रिया के सुचारु संचालन हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा 02 लैब टेक्नीशियन तथा 02 डाटा एंट्री ऑपरेटर/जे.एस.ए. की ड्यूटी लगाई गई, जिन्होंने निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार परीक्षण संपन्न कराया। इस शिविर का संचालन जिला नोडल अधिकारी हेपेटाइटिस/ आई.डी.एस.पी./ आर सी.एच. डॉ. रक्षित जोगी के पर्यवेक्षण एवं मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट एपिडेमियोलॉजिस्ट पंकज सिंह, डिस्ट्रिक्ट मैनेजर इंजीनियर श्याम मोहन दुबे, एम.एल.टी. एवं जे.एस.ए. स्टाफकी सक्रिय सहभागिता रही। जांच के साथ साथ कैदियों को हेपेटाइटिस से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी प्रदान की गईं। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा रोग के लक्षण, संक्रमण के कारण, समय पर जांच का महत्व, बचाव के उपाय तथा रोकथाम की विधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। साथ ही स्वच्छता, सुरक्षित इंजेक्शन, रक्तजनित संक्रमण से बचाव और समय पर उपचार के प्रति जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य जोखिम समूहों में समय रहते बीमारी की पहचान कर उपचार सुनिश्चित करना तथा हेपेटाइटिस के प्रसार को प्रभावी रूप से नियंत्रित करना है।

सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है.....

बिलासपुर। जिले के सरकारी स्कूलों में शौचालय निर्माण को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देश और तय समय-सीमा के बावजूद बड़ी संख्या में स्कूलों में शौचालयों का निर्माण और मरम्मत अब तक पूरा नहीं हो सका है। इसका सबसे ज्यादा असर छात्राओं पर पड़ रहा है, जिन्हें मजबूरी में खुले मे लघु शंकर दीर्घ शंका के लिए जाने को विवश होना पड़ रहा है।

525 स्कूलों में अधूरे शौचालय

हाईकोर्ट ने स्कूलों में शौचालय की स्थिति को गंभीर मानते हुए 15 जून तक सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए थे, लेकिन जमीनी हालात इससे उलट हैं। जिले के 350 स्कूलों में शौचालयों की मरम्मत अधूरी है, जबकि 175 स्कूलों में नए शौचालयों का निर्माण अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। कुल मिलाकर 525 स्कूल ऐसे हैं, जहां बच्चों को को बुनियादी सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा है। इस स्थिति से छात्राओं को खास तौर पर परेशानी हो रही है। खुले में या झाड़ियों में जाने की मजबूरी उनकी गरिमा और सुरक्षा पर सवाल खड़े कर रही है, वहीं स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह बेहद गंभीर स्थिति है। शासन ने शौचालय निर्माण के लिए 2 करोड़ 31 लाख रुपये की स्वीकृति दी थी। आरईएस को निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई थी और पहली किश्त के रूप में एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि भी जारी की गई, लेकिन इसके बावजूद समय पर कार्य पूरा नहीं किया गया। बाद में यह जिम्मेदारी जिला और जनपद पंचायतों को दी गई। एक ओर स्वच्छता और बाल हित की बड़ी-बड़ी बातें की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर बच्चों को खुले में जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद इस लापरवाही पर कब तक कार्रवाई होगी और बच्चों को कब बुनियादी सुविधा मिल पाएगी।

ट्रेफिक पुलिस द्वारा जब्त मोडिफाइड साइलेंसर पर बुलडोजर चलाकर नष्टीकरण किया गया....

बिलासपुर। जिले में वाहन चालकों के द्वारा उपयोग की जा रही अवैध मोडिफाइड साइलेंसर पर बड़ी कार्यवाही करते हुए सैकड़ो की संख्या में मोडिफाइड साइलेंसर को जप्त कर उन्हें बुलडोजर चलाकर नष्टीकरण किया गया है ।दरअसल, शहर में अत्यधिक तेज एवं उच्च आवृत्ति के मोडिफाइड साइलेंसर से निकले अत्यधिक तेज एवं कानफोडू आवाज के कारण आम नागरिकों जिसमें बच्चे, बुजुर्गों, गर्भवती माताओं-बहनों एवं मरीजो सहित आम नागरिकों को कई तरह की शारीरिक एवं मानसिक परेशानी अवस्था से गुजरना पड़ता है इस बात को ध्यान में रखते हुए लगातार माननीय उच्च न्यायालय एवं वरिष्ठ कार्यालय से इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी प्रदान की गयी है। इस कड़ी में लगातार ऐसे वाहन चालक जो इस की तरीके के अवैध मोडिफाइड साइलेंसर का उपयोग करते हैं उन पर कठोर एवं सख्त कार्यवाही किए जाने के निर्देश पर थाना एवं का यातायात पुलिस बिलासपुर के द्वारा ऐसे वाहन चालकों पर अभियान चलाकर कार्रवाई की गई है।

ऑटो पार्ट्स संचालकों को भी विक्रय करते पाए जाने पर ब्लैक लिस्टेड की चेतावनी

थाना एवं यातायात पुलिस के द्वारा जिले के विभिन्न ऑटो मोबाइल दुकान के संचालकों के दुकान पर औचक निरीक्षण की कार्यवाही करते हुए अवैध मोडिफाइड साइलेंसर को जप्त किया गया है, वहीं वाहन चालकों के द्वारा उपयोग की जा रही तेज आवाज निकाल रहे मॉडिफाइड साइलेंसरों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें मानकस्तर के मोडिफाइड साइलें सर लगाए जाने की हिदायत दी गई है। ऑटोमोबाइल दुकान के संचालकों को तेज आवाज के अवैध मोडिफाइड साइलेंसर विक्रय करने के बजाय उन्हें आईएसआई मार्क के उच्च क्वालिटी के हेलमेट का विक्रय किए जाने का हिदायत दिया गया ताकि लोगों की वाहन चलाते समय सड़क दुर्घटनाओं में जान जोखिम की स्थिति ना बने एवं आम नागरिकों से भी अपील की गई की मोडिफाइड साइलेंसर अवैध करार दी गई है इसके बावजूद भी मोडिफाइड साइलेंसर का उपयोग करना मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं का उल्लंघन है अतः ऐसे मोडिफाइड साइलेंसर का उपयोग न करें। मोडिफाइड साइलेंसर को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के मार्गदर्शन में एवं रामगोपाल करियारे के पर्यवेक्षण में बुलडोजर चला कर नष्टीकरण की गई है ,तथा आम नागरिकों को संदेश दी गई है कि किसी भी स्थिति में मोडिफाइड साइलेंसर को लगाए जाने पर नियमानुसार सख्त से सख्त, कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। विशेष करके युवाओं को भी यह संदेश दिया गया है कि बुलेट, स्पोर्टस बाइक या अन्य वाहनों में किसी भी स्थिति में इस तरह का मोडिफाइड साइलेंसर ना लगाई जाए।

घर में कंप्यूटर या लैपटॉप सही दिशा में रखें

कंप्यूटर या लैपटॉप आज के समय में सभी की जरूरत बन गई है। ऑफिस वर्क से लेकर पढ़ाई तक सारे काम लैपटॉप से होता है। ऐसे में इन्हें लोग घर में व्यवस्थित रखते हैं। वास्तु के मुताबिक यदि घर में कंप्यूटर या लैपटॉप है, तो उसे उचित दिशा में रखना बेहद शुभ होता है। क्योंकि वास्तु की मानें, तो यदि घर में कंप्यूटर या लैपटॉप सही दिशा में ना रखा हो, तो यह करियर या नौकरी की तरक्की में बाधा बन सकता है। चलिए जानते हैं कि इन्हें घर में कहां रखना चाहिए और कहां नहीं?

घर में कंप्यूटर का सही दिशा में होना सबसे आवश्यक है, क्योंकि इससे घर में चल रही नकारात्मकता खत्म होती है और सकारात्मक ऊर्जा का उदय होता है। वास्तु के मुताबिक लैपटॉप या कंप्यूटर को दक्षिण और पश्चिम दिशा में रखना चाहिए, क्योंकि यह सबसे अच्छी दिशा मानी जाती है। वहीं, जब व्यक्ति कंप्यूटर पर काम कर रहा होता है तब उसका मुंह थोड़ा दाईं तरफ होना चाहिए। इसके अलावा कंप्यूटर वाली जगह फूल और शोपीस भी रखा जा सकता है। इसे उत्तर-पूर्व दिशा में भी रखा जा सकता है।

लैपटॉप रखने की सबसे सही दिशा

क्योंकि इस दिशा को ज्ञान और बुद्धिमत्ता से जोड़ा जाता है। अगर कंप्यूटर या स्टडी टेबल इस दिशा में रखी जाए, तो सीखने की क्षमता बढ़ती है और साथ ही फोकस भी बढ़ता है। इसलिए कंप्यूटर और लैपटॉप को उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। वास्तु शास्त्र के अनुसार, कंप्यूटर और लैपटॉप को कभी भी उत्तर दिशा में नहीं रखना चाहिए। उत्तर दिशा को कुबेर की दिशा माना जाता है, जो धन और समृद्धि के देवता हैं। इस दिशा में कंप्यूटर या लैपटॉप रखने से राहु की दशा खराब हो सकती है, जिससे आपको आर्थिक नुकसान हो सकता है। इसे भूलकर भी पूर्व-पश्चिम दिशा में कंप्यूटर नहीं लगाना चाहिए।

पिंपल्स और चिपचिपाहट से राहत

सर्दियों के लिए बेस्ट DIY फेशियल

सर्दियों का मौसम आमतौर पर रुखी त्वचा से जोड़ा जाता है, लेकिन ऑयली स्किन वालों के लिए यह समय भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं होता। ठंड में स्किन का नेचुरल बैलेंस बिगड़ जाता है जिससे चेहरे पर चिपचिपाहट, बंद पोर्स और पिंपल्स की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे में भारी क्रीम या केमिकल-युक्त फेशियल त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, सर्दियों में ऑयली स्किन को कंट्रोल और पोषण देने के लिए हल्का, नेचुरल और DIY फेशियल सबसे बेहतर विकल्प माना जाता है। घर पर उपलब्ध सामग्री से किया गया सही फेशियल ना सिर्फ एक्स्ट्रा ऑयल को कंट्रोल करता है, बल्कि त्वचा को हेल्दी ग्लो भी देता है।

स्टेप 1: क्लींजिंग
DIY फेशियल की शुरुआत सही क्लींजिंग से होती है। बेसन, गुलाब जल और नींबू की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें। यह मिश्रण स्किन से गंदगी हटाने के साथ एक्स्ट्रा ऑयल को भी कंट्रोल करता है।

स्टेप 2: स्टीम
5–7 मिनट की हल्की स्टीम लेने से पोर्स खुलते हैं और स्किन अंदर से साफ होती है। इससे ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स आसानी से निकल जाते हैं।

स्टेप 3: स्क्रबिंग
ओट्स पाउडर और दही से बना स्क्रब सर्दियों में ऑयली स्किन के लिए आदर्श माना जाता है। यह डेड स्किन हटाता है लेकिन स्किन को ड्राई नहीं करता।

स्टेप 4: फेस पैक
मुल्तानी मिट्टी, एलोवेरा जेल और गुलाब जल से बना फेस पैक चेहरे पर 10–12 मिनट तक लगाएं। यह ऑयल कंट्रोल करता है, पोर्स को टाइट करता है और स्किन को ठंडक देता है।

स्टेप 5: टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग
रोज वॉटर या ग्रीन टी से टोनिंग करें और अंत में ऑयल-फ्री जेल मॉइस्चराइजर लगाएं। यह स्किन को हाइड्रेट रखता है और चिपचिपाहट से बचाता है।

रात में सोने से पहले कौन सी एक्सरसाइज करें

अच्छी नींद, फिट बॉडी और एक्टिव मांइड के लिए आजकल फिजिकल एक्टिविटीज पर खास ध्यान देने के लिए जोर दिया जा रहा है। हर फिटनेस ट्रेनर, न्यूटिशनिस्ट का कहना है कि आपकी फिजिकल एक्टिविटीज ही आपके स्वास्थ्य की कुंजी है। भले ही आप वर्कआउट न करते हो अगर सिर्फ आधे घंटे टहलते भी हैं, तो भी आप फिट रह सकते हैं और आपको रात में अच्छी नींद भी आएगी। कई लोगों की आदत होती है, रात के खाने के बाद टहलना और फिर सोना। लेकिन कुछ लोग टहलने के बजाय जॉगिंग (दौड़ना) पसंद करते हैं। इस बारे में बेंगलुरु के एस्टर अस्पताल की डॉक्टर एडविना राज ने बताया कि रात को सोने से पहले कौन सी एक्सरसाइज ज्यादा हेल्दी मानी जाती है-

टहलना या दौड़ना

रनिंग या वॉकिंग क्या है बेहतर

डॉक्टर के मुताबिक, रनिंग सुबह करने से फायदे मिलते हैं। उस वक्त आपका शरीर आराम वाली अवस्था से बाहर आ रहा होता है। ऐसे में दौड़ने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन नॉर्मल होने लगता है और फुर्ती आ जाती है। रात में खाने के बाद दौड़ना कोई फायदा नहीं करेगा, बल्कि इससे पेट दर्द की समस्या हो सकती है। रनिंग के दौरान पेट खाली होना चाहिए भरा नहीं।

वॉकिंग क्यों है जरूरी

रात के खाने के बाद वॉक करना सबसे ज्यादा अच्छा और फायदेमंद माना जाता है। वैसे तो आप सुबह या रात कभी भी टहल सकते हैं, इसके फायदे ही हैं, लेकिन खाने के बाद टहलने से खाना आसानी से पच जाता है, पाचन तंत्र मजबूत होता है। रात में टहलना शरीर को शांत और आरामदायक स्थिति में लाने में हेल्प करता है, इससे आपको अच्छी नींद आएगी।

इसके अन्य भी फायदे हैं

1- रात में टहलने से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है।

2- वजन भी नियंत्रित रहता है। जो लोग वेट लॉस कर रहे हैं, उन्हें भी नाइट वॉक करनी चाहिए।

3- नाइट वॉकिंग को स्ट्रेस बूस्टर भी माना जाता है। आपकी दिनभर की थकान दूर होती है।

4- इससे दिल का स्वास्थ्य भी बेहतर बना रहता है। ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल होता है और हार्ट अटैक का खतरा कम।

5- रात में टहलने से हड्डियों-मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। इससे जोड़ों का दर्द कम होता है।

कैसे और कितनी टहलें

खाना खाने के 20 मिनट बाद टहलना शुरू करें और करीब आधे घंटे तक टहलें। खाना थोड़ा जल्दी खाने की आदत डालें और फिर टहलकर सोने के लिए जाएं। इससे आप तनावमुक्त होकर अच्छी नींद ले सकेंगे। इस आदत को रोजाना करने से फायदे मिलेंगे।

जानें शरीर को कब कौन से फल खाने की है जरूरत

एनर्जी से लेकर ब्लोटिंग के लिए कौन से फल खाना है ज्यादा फायदेमंद

फल खाना हेल्दी ऑप्शन है। फल ना केवल शरीर को जरूरी न्यूट्रिशन देते है,बल्कि वेट लॉस में भी मदद करते हैं क्योंकि फलों में कैलोरी की मात्रा सबसे कम होती है। ये फल कई सारी बीमारियों को दूर करने में भी मदद करते हैं।

कब्ज दूर करने के लिए तो कई सारे फलों को खाने की सलाह मिली होगी। लेकिन केवल कब्ज ही नहीं बल्कि शरीर की 6 समस्याओं में अलग-अलग फलों को खाने से फायदा होता है। न्यूट्रिशनिस्ट ने ऐसे 6 फलों को अलग-अलग बीमारियों में खाने की सलाह दी है।

चीकू :- चीकू की मिठास काफी सारे लोगों को पसंद आती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसमे टैनिन्स की मात्रा हाई होती है और ये नेचुरल एंटी इंफ्लामेटरी का काम करता है। जो स्टमक लाइनिंग की इंफ्लेमेशन को दूर करता है। एसिड को कम करता है और डाइजेशन के प्रोसेस को बढ़ाता है। इसलिए चीकू को एसिडिटी और डाइजेशन बढ़ाने के लिए खाना फायेदमंद होता है।

संतरा :- संतरा इम्यूनिटी बढ़ाने और स्किन को जवां रखने में मदद करता है। विटामिन सी से भरपूर होने की वजह से ये कोलेजन का प्रोडक्शन बढ़ाता है। वहीं ब्लड में व्हाइट ब्लड सेल्स को बूस्ट करता है। जिससे इम्यूनिटी बढ़ती है।

रामफल या पर्सिमन :- रामफल या पर्सिमन में सॉल्यूएबल फाइबर होता है यानी कि पेक्टिन, जो स्टूल को बल्क में इकट्ठा करके कब्ज दूर करने में मदद करता है। रामफल पेट में नेचुरल लेक्सेटिव का काम करता है। तो अगर कब्ज की समस्या रहती है तो रामफल खाएं।

सीताफल या शरीफा :- सीताफल या कस्टर्ड एप्पल के बारे में जरूर सुना होगा। ये फल मैग्नीशियम, पोटैशियम से भरपूर होता है। जो गट हेल्थ को इंप्रूव करता है। तो अगर आपके गट में इश्यू है तो सीताफल को खाना शुरू कर दें।

आंवला :- आंवला इम्यूनिटी बढ़ाने और विटामिन सी रिच होने की वजह से बालों और स्किन के लिए फायदेमंद होता है। साथ ही ब्लड को प्यूरीफाई करने, लिवर फंक्शन को स्मूद बनाने और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने का काम करता है। तो अगर आपको अपनी ओवरऑल हेल्थ को इंप्रूव करना है तो रोज एक आंवला खाएं।

नाक छिदवाने के बाद तुरंत अपनाएं ये घरेलू तरीके

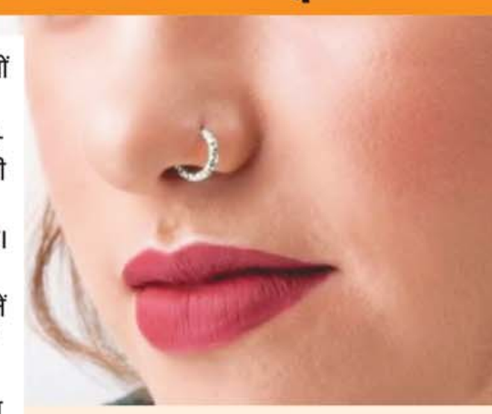

लड़कियों के नाक-कान छिदवाने की परंपरा काफी पुरानी हो चुकी है। आजकल लड़कियां शौक में भी नाक-कान छिदवा लेती हैं और ये ट्रेंड में आ चुका है। लेकिन नाक-कान छिदवाने के बाद अगर सही केयर न की जाए, तो इनमें इंफेक्शन का खतरा या पकने का डर रहता है। साथ ही दर्द भी काफी ज्यादा होता है, जो कई बार बर्दाश्त के बाहर भी हो जाता है। अगर आप नाक छिदवा रही हैं, तो उसकी केयर करने के कुछ घरेलू तरीके जरूर जान लीजिए। इन तरीकों से आपकी नाक में दर्द नहीं होगा और ना ही इंफेक्शन का कोई खतरा होगा। चलिए बताते हैं इन तरीकों के बारे में।

1- ओस की बूंद

बचपन में मैंने जब अपनी नाक छिदवाई थी, तब मेरी नानी मेरी नाक पर सुबह की ओस की बूंद रख देती थी। इससे नाक को ठंडक पहुंचती थी और मेरी नाक पकी भी नहीं। आजकल सर्दियों में नाक छिदवा रही हैं, तो सुबह ओस की बूंद कही भी घास पर आसानी से मिल जाएगी। इस बूंद को उंगली में लेकर लगाएं या फिर कॉटन में लेकर लगाएं।

2- सरसों का तेल

नाक छिदवाने के 2–3 दिन बाद सरसों का तेल लगाना शुरू करें। इससे नाक का छेद बंद नहीं होगा और पपड़ी भी नहीं जमेगी। कई बार नाक पकने पर पस या पपड़ी बन जाती है, सरसों के तेल से ऐसा नहीं होगा और नाक का दर्द भी कम होगा।

3- गर्म पानी

नाक छिदवाने के बाद उसकी साफ-सफाई का खास ध्यान रखना पड़ता है। वरना वो तुरंत पक सकती है और दर्द भी काफी ज्यादा होगा। इसके लिए आपको गर्म पानी करना है, रुई में पानी लगाकर हल्के हाथों से सिकाई करें। ऐसा करने से नाक साफ होगी और इंफेक्शन का खतरा भी कम होता है।

नाक छिदने के बाद क्या पहनें

नाक छिदवाने के बाद आप चांदी-सोने की तार वाली बाली पहनें या फिर नीम की डंडी पहन लें। नीम की डंडी से पकने का खतरा नहीं होगा और नाक का छेद आसानी से सेट हो जाएगा। बाद में आप इसे अपने हाथ से बदल सकते हैं। नाक छिदवाने के बाद किसी भी तरह की दिक्कत होने पर डॉक्टर को दिखाएं और अच्छी जगह से ही पियर्सिंग कराएं।

सरसों का तेल सर्दियों में स्किन केयर के लिए इस्तेमाल

सर्दियों के मौसम में ठंडी हवा और कम नमी की वजह से त्वचा रुखी, खिंची हुई और बेजान नजर आने लगती है। ऐसे में लोग केमिकल-फ्री और घरेलू उपायों की तलाश करते हैं। भारत में पारंपरिक रूप से इस्तेमाल होने वाला सरसों का तेल सर्दियों में स्किन केयर के लिए अक्सर इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या सरसों का तेल हर तरह की त्वचा के लिए सुरक्षित है? सरसों के तेल में ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड, विटामिन E और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। ये तत्व त्वचा की नमी को बनाए रखने में मदद करते हैं और स्किन बैरियर को मजबूत करते हैं। सर्दियों में शरीर पर सरसों के तेल से मालिश करने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है जिससे त्वचा में नेचुरल ग्लो आता है और ड्रायनेस कम होती है। यही वजह है कि पुराने समय से ठंड के मौसम में बच्चों और बड़ों की तेल मालिश की जाती रही है।

हालांकि, स्किन एक्सपर्ट्स मानते हैं कि सरसों का तेल एक मजबूत और हीटिंग ऑयल होता है। इसकी तासीर गर्म होती है जिससे यह कुछ लोगों की त्वचा पर जलन, रेडनेस या रैशेज पैदा कर सकता है। खासतौर पर सेंसिटिव या एक्ने-प्रोन स्किन वालों को इसे सीधे चेहरे पर लगाने से बचना चाहिए। कुछ मामलों में यह पोर्स को ब्लॉक कर सकता है जिससे पिंपल्स और ब्लैकहेड्स की समस्या बढ़ सकती है।

क्या है सही तरीका ?

नहाने से पहले या रात में हल्का गुनगुना करके बॉडी मसाज करें। चेहरे के लिए : 2–3 बूंदें किसी हल्के तेल (नारियल/बादाम) के साथ मिलाकर लगाएं।

बहुत ज्यादा मात्रा में ना लगाएं- थोड़ा ही काफी है। डर्मेटोलॉजिस्ट्स के अनुसार, सरसों का तेल चेहरे की बजाय शरीर की त्वचा के लिए ज्यादा उपयुक्त माना जाता है। घुटनों, कोहनियों, एड़ियों और हाथों जैसी बहुत ज्यादा रूखी जगहों पर इसका इस्तेमाल फायदेमंद हो सकता है। अगर चेहरे पर लगाना हो तो पहली बार सरसों का तेल इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट करना बेहद जरूरी है, ताकि किसी तरह की एलर्जी या रिएक्शन से बचा जा सके।

सर्दी में बच्चों का निमोनिया क्यों बनता है खतरनाक ?

निमोनिया एक खतरनाक बीमारी है जिसके केस बच्चों में ज्यादा आते हैं। निमोनिया का खतरा सर्दियों के मौसम में बढ़ जाता है। इस मौसम में निमोनिया करने वाला बैक्टीरिया एक्टिव रहता है। जो बच्चों को शिकार बना सकता है। इस बीमारी के मामले में सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि इसके लक्षणों का आसानी से पता नहीं चल पाता है। कई मामलों में इसकी शुरुआत खांसी, जुकाम जैसी होती है, जिसको नजरअंदाज कर दिया जाता है। ऐसे में आपको जानना जरूरी है कि बच्चे में कौन से लक्षण निमोनिया का संकेत हो सकते हैं।

निमोनिया के शुरुआती लक्षण खांसी-जुकाम जैसे ही होते हैं, लेकिन धीरे- धीरे अन्य लक्षण सामने आते हैं। जैसे अगर बच्चे को खांसी- जुकाम के साथ सांस लेने में हल्की भी परेशानी हो रही है तो ये निमोनिया का लक्षण हो सकता है। ऐसी किसी भी स्थिति में माता- पिता के लिए जरूरी है कि वो बच्चे को लेकर अस्पताल जाएं और सही इलाज कराएं।

निमोनिया में जरूर दिखते हैं ये लक्षण

निमोनिया होने के बाद खांसी के साथ बलगम भी आता है। खांसी के साथ पीला या हरा बलगम आना भी खतरे की घंटी हो सकता है। इसके अलावा बच्चे की सांस तेज चलना, खांसी के समय सीने में दर्द, सोते समय नाक से सीटी जैसी आवाज आना भी गंभीर संकेत हो सकता है। अगर ये लक्षण दिख रहे हैं और बच्चा दूध भी नहीं पी रहा है तो ये निमोनिया ही हो सकता है। सर्दी के मौसम में निमोनिया के केस आते हैं। कई मामलों में लक्षण गंभीर होने के बाद ही माता- पिता अस्पताल आते हैं, ऐसे में बच्चे की जान को जोखिम भी हो सकता है। इसलिए ये जरूरी है कि आप निमोनिया के लक्षणों को नजरअंदाज न करें। खांसी- जुकाम में ये ध्यान रखें कि अगर ये 3 दिन में खत्म या कम नहीं हो रहा है तो एक बार अपने बच्चे को डॉक्टर से जरूर दिखा लें। इस मौसम में बच्चों को वैक्सीन लगवा लें। न्यूमोकोकल और फ्लू वैक्सीन बच्चों को गंभीर संक्रमण से बचाने में मदद करती हैं। बच्चों को भीड़ वाले इलाकों में लेकर जानें से बचें। कोशिश करें कि वह हाथ धोकर भोजन करें। बच्चों में खांसी- जुकाम हो तो डॉक्टर से मिलें।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बालोद वासियों को दी 233 करोड़ रूपए लागत के 103 विकास कार्यों की सौगात

प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री साय राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए दृढ़ संकल्प के साथ कर रहे कार्य : सासंद भोजराज नाग

बालोद। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जिले के नगर पंचायत मुख्यालय गुण्डरदेही में 233 करोड़ रूपए की लागत के 103 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कर जनता को विकास की बड़ी सौगात दी। इन कार्यों में 16,388.83 लाख रूपए के 61 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 6,982.45 लाख रूपए के 42 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री ने यहां पर गुण्डरदेही में सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन हेतु एक करोड़ और प्रत्येक वार्ड में विकास कार्य हेतु एक करोड़ रूपए की घोषणा की। उन्होंने गुण्डरदेही में एसटीपी निर्माण का भी भरोसा दिलाया। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सोमवार को कुल 233 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया। इसके अंतर्गत 1 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले व्यावसायिक परिसर के भूमिपूजन से युवाओं को स्वरोजगार एवं व्यवसाय के नए अवसर प्राप्त होंगे। वहीं सड़क एवं पुल के निर्माण से जनसामान्य को यातायात में सुगमता मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से महतारी वंदन योजना का सफल संचालन किया जा रहा है। इसी तरह तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को तेंदूपत्ता का उच्चतम समर्थन मूल्य प्रदान किया जा रहा है तथा चरण पादुका योजना को पुनः प्रारंभ किया गया है। वनोपज का मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) कर स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इस प्रकार सभी वर्ग को ध्यान में रख कर योजनाओं का सफल संचालन किया जा रहा हैं।

स्वामी विवेकानंद ने पूरे विश्व में भारत को किया गौरवान्वित

उन्होंने कहा राम लाल दर्शन योजना एवं मुख्यमंत्री दर्शन योजना के माध्यम से जनता को प्रदेश की संस्कृति एवं विरासत से जोड़ा जा रहा है। प्रदेश में लाल आतंक को समाप्त करने के लिए प्रभावी पुनर्वास नीति अपनाई गई है, जिससे न केवल नक्सलवाद पर नियंत्रण पाया जा रहा है, बल्कि विकास को भी गति मिल रही है। इससे बस्तर अंचल में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार हो रहा है और लोगों के जीवन स्तर में सुधार आ रहा है मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर हम सभी युवा दिवस मना रहे हैं, जिसकी सभी को हार्दिक बधाई। स्वामी विवेकानंद ने अल्पायु में ही अपने विचारों और सनातन संस्कृति के माध्यम से पूरे विश्व में भारत को गौरवान्वित किया। उन्होंने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ राज्य रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सौगात के रूप में रायपुर में डिजिटल आदिवासी संग्रहालय का निर्माण किया गया है, जहां आदिवासी महानायकों के संघर्ष, इतिहास एवं जीवन गाथा को संजोकर रखा गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य समावेशी विकास है, जिससे गांव, गरीब, किसान और आम नागरिक को सीधे लाभ मिले। इन विकास कार्यों से जिले में आवागमन सुगम होगा, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा जनजीवन की गुणवत्ता में सुधार आएगा। इन कार्यों का लाभ गुंडरदेही, डौंडीलोहारा एवं संजारी बालोद विधानसभा क्षेत्रों के नागरिकों को मिलेगा। राज्य सरकार निरंतर आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करते हुए छत्तीसगढ़ को विकास के नए आयामों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

व्यापारियों ने लड्डुओं से तौलकर किया सीएम का स्वागत

सांसद भोजराज नाग ने जनसामान्य को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए दृढ़ संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में राज्य विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि जो बस्तर अंचल कभी लाल आतंक के नाम से जाना जाता था, वह आज नक्सलवाद से मुक्त होने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। इससे बस्तर क्षेत्र में विकास को नई गति मिलेगी तथा आम नागरिकों को इसका प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। बस्तर अब शांति, प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वीबी जी राम जी के तहत अब ग्राम स्तर पर विकास संभव हो पाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का स्थानीय व्यापारियों ने लड्डुओं से तौलकर स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को योजनांतर्गत सामग्री, पात्रता प्रमाण पत्र वितरित किए।

कलेक्टर में निरंतर उपलब्धियों के संबंध में डाला प्रकाश

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने जिले की विकास प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम में बहुमूल्य उपस्थिति के लिए मुख्यमंत्री साय एवं अतिथियों का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रेरणा एवं मार्गदर्शन बालोद जिले को मिल रहे निरंतर उपलब्धियों के संबंध में भी प्रकाश डाला। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रमोद जैन ने स्वागत उदबोधन में नगर के विकास हेतु विभिन्न मांगों की ओर मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद मोहन मंडावी, गुण्डरदेही पूर्व विधायक राजेंद्र राय, कंवर समाज के संरक्षक वीरेंद्र शेखर कंवर, पीआर कंवर, लघु वनोपज संघ के उपाध्यक्ष यज्ञदत्त शर्मा, जिला पंचायत बालोद अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर, नगर पंचायत गुण्डरदेही अध्यक्ष प्रमोद जैन, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग के उपाध्यक्ष नरेश यदु सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी आरजी गर्ग पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल, सीईओ जिलापंचायत सुनील चंद्रवंशी, अपर क्लेक्टर चन्द्रकान्त कौशिक सहित अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

शासन के निर्देशों की अवहेलना, भाठागांव आर खरीदी केंद्र में आरबी गोल्ड धान की अलग से नही की गई स्टेकिंग और एंट्री

मोटा धान के स्टेक में रखा गया आरबी गोल्ड धान, मिलरो से मांगी जा रही राशि, आरबी गोल्ड किस्म के धान में समिति प्रबंधक खेल रहे बड़ा खेल

बालोद। धान खरीदी केंद्रों में शासन के नियम कायदों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। आरबी गोल्ड नामक किस्म के धान का स्टेक अलग से न लगाकर उसे मोटा धान के स्टेक के साथ रखा जा रहा है। इतना ही नही आरबी गोल्ड धान की ऑनलाइन एंट्री भी पृथक से नही की जा रही है, उसे मोटा धान में ही ऑनलाइन एंट्री की जा रही हैं। जबकि शासन के नियमानुसार आरबी गोल्ड धान की अगर ज्यादा मात्रा में आवक होती है, तो उसका स्टेकिंग अलग करनी है और ऑनलाइन एंट्री भी। लेकिन गुंडरदेही ब्लॉक के ग्राम भाठागांव/आर स्तिथ खरीदी केंद्र में शासन के नियमो की खुलेआम धज्जिया उड़ाई जा रही है। धज्जियां उड़ाने वाले स्वंय यहां के जिम्मेदार समिति प्रबंधक है। यहां केंद्र में आरबी गोल्ड किस्म के धान को मोटा धान के साथ स्टेक कर के रखा गया है, और उसकी सिस्टम में ऑनलाइन एंट्री पृथक से नही की गई है, बल्कि मोटा धान में ही एंट्री दर्शायी गई हैं। जिसकी जानकारी मिलने पर पायनियर ने जब मौके पर जाकर पड़ताल किया तो पाया कि करीबन 5 हजार से अधिक आरबी गोल्ड धान का बोरा केंद्र में रखा हुआ हैं, जिसका अलग स्टेकिंग न कर मोटा धान के स्टेक के साथ ही ही रखा गया है, और एंट्री करने के लिए आरबी गोल्ड का ऑप्शन नही चुना गया है। बल्कि मोटा धान का ऑप्शन चुन एंट्री कर दी गई हैं। जो कि एक समिति प्रबंधक की एक बड़ी लापरवाही है। पायनियर पड़ताल के दौरान समिति प्रबंधक तामेश्वर साहू केंद्र में अनुपस्तिथ रहें, जब उनसे फोन पर बात की गई और इस सम्बंध में जानकारी चाही गई तो उन्होंने बताया कि वे गुंडरदेही सीएम के कार्यक्रम में आये है, उन्हें 2 चार पहिया वाहन में लोगों को इकट्ठा कर लाने कहा गया था, तो उन्हें वे लेकर आये है। वही उन्होंने बताया कि खरीदी केंद्र में रोजाना करीबन 500 बोरा आरबी गोल्ड धान की आवक हो रही हैं। लेकिन स्टेकिंग अलग नही की जा रही है, और न ही अलग से एंट्री दर्ज की जा रही है। उन्होंने अपनी गलती मान आगे से सुधार की बात कही।

प्रबंधक ने मोटा, पतला और सरना का ही स्टेक बनाने कहा

ठेकेदार अंकेश्वर प्रसाद साहू ने बताया कि प्रबंधक के कहने पर मोटा, पतला और सरना धान का स्टेकिंग किया गया है, तीनो का स्टेक अलग अलग हैं। आरबी गोल्ड और महामाया धान का स्टेक अलग से नही बनाया गया है, उसे मोटा धान के स्टेक के साथ ही रखा गया है। प्रबंधक ने ही 3 स्टेक बनाने कहा हैं। आरबी गोल्ड का स्टेक नही बनाया गया है। उन्होंने बताया कि केंद्र में करीबन 3 हजार बोरा से अधिक आरबी गोल्ड की मात्रा उपलब्ध हैं। जिसे अलग से स्टेक न बना मोटा धान के साथ रखा गया है।

पर्ची के हिसाब से एंट्री की जा रही : ऑपरेटर

आउटसोर्सिंग कंप्यूटर ऑपरेटर देवकुमार साहू ने बताया कि तीन कैटेगरी मोटा, पतला और सरना में एंट्री कर रहे है। जिस हिसाब से पर्ची में लिखकर आता है, उस हिसाब से एंट्री की जा रही है। पर्ची ठेकेदार लिखता है, पर्ची में मोटा, पतला, सरना ही लिखकर आता है। उन्होंने बताया कि मोटा, पतला व सरना के अलावा आरबी गोल्ड सहित अन्य किस्म के धान के ऑप्शन कैटेगिरी में आ रहा है, लेकिन प्रबंधक ने मोटा ऑप्शन में ही आरबी गोल्ड धान को एंट्री करने कहा है। जबकि मोटा, पतला और सरना के प्रकार पर क्लिक करने से चुनिए ऑप्शन में उप किस्म की प्रकार शो होती हैं।

आरबी गोल्ड धान में ऐसे होता है खेल

बताया गया है कि आरबी किस्म की धान की ज्यादा डिमांड मिलरो में होती है, क्योकि मिलिंग के दौरान अन्य धान की अपेक्षा इसका इल्ड (झरती) मात्रा अधिक होती है, आरबी गोल्ड धान के उठाव के लिए मिलर्स बेहद इच्छुक होते हैं। इसलिए समिति प्रबंधक भी आरबी गोल्ड एंटी अलग से न कर मोटा धान में करते हैं। बता दे कि आरबी किस्म के धान का टीओ ही कटता है, डीओ नही कटता। टीओ कटकर जब यह आरबी गोल्ड धान संग्रहण केंद्र में जाता है तो ऑक्शन के दौरान इसका रेट भी अन्य धान के मुकाबले अच्छा मिलता है। और शायद यही कारण है कि मिलरो में इसकी अच्छी खासी डिमांड है। जिसका फायदा समिति प्रबंधक उठा रहे है। समिति प्रबंधक आरबी गोल्ड धान को मिलरो को 50 से 70 रुपये प्रति क्विंटल बता कर सौदा कर रहे है। भाठागांव/आर केंद्र के समिति प्रबंधक तामेश्वर साहू के द्वारा भी एक मिलर्स से 50 से 70 रुपये प्रति क्विंटल की दर से डिमांड की गई है, शायद इसलिए प्रबंधक द्वारा आरबी गोल्ड धान की अलग से एंट्री न कर मोटा धान के प्रकार में उप किस्म आरबी गोल्ड धान की एंट्री की गई है, ताकि सिस्टम में मोटा धान की ही आवक दिखाई जा सके, न कि आरबी गोल्ड की। इस तरह से हरकत कर समिति प्रबन्धक शासन-प्रशासन की आखों में धूल झोंकने का कार्य कर रहे हैं।

मड़ई में श्रीमद भागवत ज्ञान सप्ताह का भव्य आयोजन

बेमेतरा। ग्राम मड़ई (दाढ़ी) में 9 से 17 जनवरी तक श्रीमद् भागवत ज्ञान महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कथा का रसपान श्रीधाम वृंदावन से पधारे पंडित मदन मोहनदास महाराज (अध्यक्ष, निर्मोही अखाड़ा) धीर समीर आश्रम वंशीवट श्रीधाम वृंदावन द्वारा अपने मुखारबिंद से करा रहे है। रात्रिकालीन संगीतमय श्रीराम कथा का भी आयोजन रखा गया है। राम कथा पंडित राजेश शर्मा भागवताचार्य द्वारा कहे जा रहे है। कथा का लाइव प्रसारण यूट्यूब ओम क्रियेटिव 25 पर देख सकते हैं। कथा स्थल पर प्रत्येक दिवस भंडारे का भी आयोजन किया गया है जिसमें चावल दाल सब्जी श्रद्धालुओं को परोसे जा रहे हैं। यह आयोजन ग्राम मड़ई निवासी अनूप साहू सहित ललित साहू, सुमित साहू द्वारा किया जा रहा है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन 8 जनवरी से प्रारंभ

कवर्धा। छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय आदिम जाति कल्याण एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति द्वारा संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शिक्षण सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6वीं में प्रवेश प्राक्चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाना है। प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन एकलव्य विद्यालयों की विभागीय वेबसाइट के माध्यम से आमंत्रित किए जा रहे हैं। कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए प्राक्चयन परीक्षा का आयोजन 01 मार्च 2026 रविवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक किया जाएगा। ऑनलाईन आवेदन करने की प्रारंभ तिथि 08 जनवरी से 07 फरवरी 2026 तक निर्धारित है, जबकि ऑनलाईन भरे गए आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि 08 फरवरी 2026 से 10 फरवरी 2026 तक रहेगी।

सड़क सुरक्षा माह 2026: सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत स्कूल बसों की सघन जांच

120 बस चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण, सुरक्षा उपकरणों की अनिवार्य जांच

कवर्धा। सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत उच्चतम न्यायालय, मोटर वाहन अधिनियम 1988 एवं केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 के प्रावधानों के अनुपालन में पीजी कॉलेज मैदान में स्कूल बसों की सघन जांच एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, यातायात पुलिस एवं नगर सेना द्वारा किया गया। जिला परिवहन अधिकारी मोहन लाल साहू के नेतृत्व में परिवहन विभाग की टीम ने अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन निकासी द्वार, स्पीड लिमिट डिवाइस, व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस, सीसीटीवी कैमरा, रिफ्लेक्टिव टेप तथा फर्स्ट-एड बॉक्स की अनिवार्य जांच की। यह जांच स्कूल बसों की सुरक्षा से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुरूप की गई। शिविर में जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों की 120 स्कूल बसें एवं चालक उपस्थित रहे। यातायात प्रभारी अजयकांत तिवारी ने चालकों एवं परिचालकों को यातायात नियमों, गति सीमा, ओवरलोडिंग निषेध एवं सुरक्षित वाहन संचालन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग से डॉ. धीरेंद्र शर्मा (नेत्र सहायक अधिकारी) के नेतृत्व में सभी चालकों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण एवं नेत्र परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चालक का शारीरिक व मानसिक रूप से फिट होना सड़क सुरक्षा की मूल शर्त है। नगर सेना अधिकारी श्रीवास्तव एवं टीम द्वारा आगजनी या दुर्घटना की स्थिति में आपातकालीन निकासी, अग्निशमन यंत्र के उपयोग तथा त्वरित प्रतिक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के माध्यम से चालकों को यह संदेश दिया गया कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन न केवल कानूनी बाध्यता है, बल्कि बच्चों की जान की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी है।

कबीरधाम में धान खरीदी आधी से भी कम

कवर्धा। जिले में धान खरीदी को लेकर प्रशासन भले ही सुचारू व्यवस्था का दावा कर रहा हो, लेकिन आधिकारिक आंकड़े इन दावों की पोल खोलते नजर आ रहे हैं। 12 जनवरी 2025 तक की स्थिति में जिले में खरीदी की प्रगति कुल लक्ष्य का केवल 47.71 प्रतिशत ही पहुंच पाई है, जबकि खरीदी की अंतिम तिथि नजदीक आती जा रही है। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार अब तक 79,514 किसानों से 4,28,792 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है, लेकिन यह संख्या देखने में भले बड़ी लगे, वास्तविकता यह है कि अब भी 52 प्रतिशत से अधिक धान की खरीदी शेष है। यानी जिले के हजारों किसान अभी भी अपनी उपज बेचने के लिए इंतजार को मजबूर हैं।

उठाव के दावों पर भी सवाल

खाद्य विभाग के मुताबिक अब तक 1,58,315 मीट्रिक टन धान का उठाव किया गया है और 91,189 मीट्रिक टन के लिए टीओ-डीओ जारी किए गए हैं। इसके बावजूद कई खरीदी केंद्रों में जगह की कमी, ढेर लगे धान और धीमा परिवहन साफदिखाई दे रहा है, जिससे तेजी से उठाव के दावे कमजोर पड़ते हैं।

भुगतान समय पर, लेकिन खरीदी अधूरी

प्रशासन समय पर भुगतान की बात जरूर कर रहा है, लेकिन सवाल यह है कि- जब आधी से ज्यादा खरीदी बाकी है, तो भुगतान से संतोष किसे? क्या एमएसपी का लाभ सभी किसानों तक वास्तव में पहुंच पा रहा है? कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अंतिम दिनों में अचानक रफ्तार नहीं बढ़ी, तो लक्ष्य पूरा करने के लिए आंकड़ों की बाजीगरी का सहारा लिया जा सकता है, जैसा कि हर साल देखने को मिलता है। कबीरधाम की यह स्थिति सिर्फएक जिले की कहानी नहीं, बल्कि देशभर में लागू समर्थन मूल्य और सरकारी खरीदी मॉडल की कमजोर कड़ी को उजागर करती है। जब सरकार रिकॉर्ड खरीदी का दावा करती है, लेकिन जमीनी हकीकत में 50 प्रतिशत से ज्यादा धान अब भी बाकी हो, तो यह राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

भिलाई मड़ई 2026: 30 जनवरी से सिविक सेंटर में सजेगा 'हमर माटी के तिहार', आरू साहू की सुरमयी शाम और 'रंग झनझार' होंगे मुख्य आकर्षण

भिलाई/ सांस्कृतिक संवाददाता। भिलाईः इस्पात नगरी भिलाई एक बार फिर छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक कला और आधुनिक युवा प्रतिभा के अद्भुत संगम का गवाह बनने जा रही है। आगामी 30 जनवरी से 8 फरवरी 2026 तक सिविक सेंटर स्थित हेलिपैड ग्राउंड में 卐भिलाई मड़ई 2026卐 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 卐हमर माटी के तिहार卐 की थीम पर आधारित इस दस दिवसीय उत्सव में प्रतिदिन दोपहर 3:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक सांस्कृतिक छटा बिखरेगी।

आरू साहू की लाइव परफॉर्मेंस और 'रंग झनझार' अवॉड्र्स:- इस वर्ष मड़ई का मुख्य आकर्षण छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोक गायिका आरू साहू की लाइव परफॉर्मेंस होगी। इसके साथ ही, छत्तीसगढ़ी कला, संगीत और फिल्म जगत की प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए प्रतिष्ठित 卐छत्तीसगढ़ अवॉर्ड नाइट - रंग झनझार卐 का आयोजन किया जाएगा, जो सांस्कृतिक गौरव की एक विशेष शाम होगी।

संगीत और खेल का रोमांचः युवाओं के लिए इस बार 'बैंड वार' का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें दुर्ग, भिलाई, रायपुर और बिलासपुर सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों के रॉक और फ्यूजन बैंड्स अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। वहीं, मिट्टी से जुड़ी खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए एक भव्य कबड्डी प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी।

प्रतिभाओं को मिलेगा बड़ा मंचः भिलाई मड़ई 2026 में बच्चों और युवाओं के लिए प्रतियोगिताओं की लंबी फेहरिस्त है। इसमें गायन, नृत्य, ओपन माइक, रॉक बैंड के साथ-साथ 'छत्तीसगढ़ बिगेस्ट हिप हॉप सीन' भी देखने को मिलेगा। इसके अलावा रंगोली, पेंटिंग, जनजातीय बॉडी आर्ट, फेंसी ड्रेस, मैन फिजीक और बॉडीबिल्डिंग जैसी स्पर्धाएं आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

स्थानीय व्यापार और हस्तशिल्प को बढ़ावाः आयोजन स्थल पर स्थानीय व्यापारियों और हस्तशिल्प कारीगरों के लिए विशेष ज़ोन बनाए गए हैं। यहाँ आने वाले दर्शक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के स्वाद के साथ-साथ पारंपरिक शिल्प और विभिन्न ब्रांड्स के स्टॉल्स का आनंद ले सकेंगे।

50 हजार से अधिक दर्शकों की उम्मीदः आयोजकों के अनुसार, इस वर्ष भिलाई मड़ई में 50,000 से अधिक दर्शकों के शामिल होने की संभावना है। यह आयोजन न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि छत्तीसगढ़ की परंपराओं और आधुनिक सोच को एक साथ लाने का एक साझा मंच है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com